mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-151 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
03 जून 2025 मंगलवार

# दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित



डी गुकेश ने मैग्नस...
@ पेज 7

## संक्षिप्त समाचार

### शी जिनपिंग के करीबी शख्स की हो गई मौत

**बीजिंग (एजेंसी)।** चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से जुड़ी हुई एक बुरी खबर सामने आई है। कथित तौर पर शी जिनपिंग के करीबी और चीन की वायुसेना के पूर्व जनरल शू किइलियांग का निधन हो गया है। चीन के रक्षा मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, शू किइलियांग 75 साल के थे और उनका निधन बीजिंग में हुआ है। आइए जानते हैं कि शू किइलियांग कितने प्रभावशाली थे और उन्हें शी जिनपिंग का इतना करीबी क्यों माना जाता था। जानकारी के मुताबिक, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के पहले कार्यकाल के दौरान शू किइलियांग चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य शाखा, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी यानी क्क्र की देखरेख करने वाली



संस्था के उपायुक्त के पद पर तैनात थे। बता दें कि ये वही दौर था जब राष्ट्रपति शी जिनपिंग थल सेना और नौसेना को देश का नेतृत्व करने वाले निकायों में शामिल करने पर काम कर रहे थे। चीन के रक्षा मंत्रालय ने देश की वायुसेना के पूर्व जनरल शू किइलियांग की काफी तारीफ की है। रक्षा मंत्रालय ने उनके निधन पर बयान जारी करते हुए कहा है- ÷शू किइलियांग चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के एक सदस्य, वफादार कम्युनिस्ट सैनिक, सैन्य रणनीतिकार और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक उत्कृष्ट नेता थे।÷ जानकारी के मुताबिक, शू किइलियांग ने चीन में उच्च पद पर पहुंचने के बाद केंद्रीय सैन्य आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में अपना काफी प्रभाव स्थापित कर लिया था। शू किइलियांग चीन की एंटी करप्शन यूनिट्स की नजरों से भी बच गए। बता दें कि चीन की एंटी करप्शन यूनिट्स ने हाल के दिनों में कई हाई लेवल सेवारत और रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों को गिरफ्तार किया है।

### रूस-यूक्रेन में 6000 सैनिकों के शवों की होगी अदला-बदली

**इस्तांबुल (एजेंसी)।** रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अभी भी जारी है। हालांकि युद्ध विराम को लेकर दोनों




तरफ से लगातार बैठकें भी जा रही हैं। इस बीच दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने एक बार फिर सोमवार को तुर्की में बैठक की है। पिछले दो सप्ताह में दोनों देशों के बीच दूसरी बार प्रत्यक्ष शांति वार्ता हुई है। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच करीब एक घंटे तक बैठक चली। इस बैठक में रूस और यूक्रेन ने युद्ध में मारे गए 6000 सैनिकों के शवों की अदला-बदली करने पर सहमति जताई है। जेलेंस्की ने लिथुआनिया के विनियस में कहा कि दोनों पक्षों ने ''तुर्किये के माध्यम से दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया और हम नये सिरे से युद्धबंदियों की अदला-बदली की तैयारी कर रहे हैं।'' इस बैठक में यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने किया, जबकि रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व व्लादिमीर पुतिन के करीबी सहयोगी व्लादिमीर मेदेंस्की ने किया। तुर्की के विदेश मंत्री हकन फिदान ने शहर के सिरागन पैलेस में वार्ता की अध्यक्षता की तथा शुरुआती संबोधन दिया। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों की हालिया टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि वे युद्ध को रोकने के लिए प्रमुख शर्तों के मामले में बहुत दूर हैं। जेलेंस्की ने कहा कि 16 मई को हुई पिछली दौर की वार्ता के बाद दोनों पक्षों के 1,000 बंदियों की अदला-बदली हुई थी। जेलेंस्की के कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक ने कहा कि यूक्रेन ने रूस को उन बच्चों की एक आधिकारिक सूची भी सौंपी है, जिनके बारे में कहा गया है कि उन्हें जबरन निर्वासित किया गया था और उन्हें वापस किया जाना चाहिए।

## दिल्ली के चांदनी चौक की एक दुकान में दिन दहाड़े 35 लाख की लूट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के चांदनी चौक में दिन दहाड़े बदमाशों ने फायरिंग करके लूट की है। बदमाशों ने एक दुकान से 35 लाख रुपए लूटे हैं। इस घटना के सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है और पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। दिल्ली के लाहौरी गेट थाने को दोपहर 2.30 बजे एक पीसीआर कॉल मिली थी, जिसमें चांदनी चौक में दुकान चलाने वाले विक्की जैन नाम के व्यापारी ने बताया कि सुबह दो लोग आए थे और फायरिंग करके करीब 35 लाख लूटकर ले गए। वारदात सुबह की थी और पुलिस को टूटा हुआ कांच का दरवाजा दिखा। पुलिस ने बयान लेकर सीसीटीवी की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। बिल्डिंग में जाते हुए 3 बदमाशों का सीसीटीवी फुटेज मिला है। इन 3 बदमाशों ने कपड़ा व्यापारी के यहां पर 35 लाख की लूट को अंजाम दिया। सभी ने चेहरे पर मास्क लगा रखा था। आगे वाले बदमाश के हाथ में एक बैग था। एक और घटना में दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल के ऑफिस से लाखों रुपयों की चोरी का मामला सामने आया था। इस मामले में स्पेशल सेल का हेड कॉन्सटेबल ही चोर निकला था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से 50 लाख रुपयों के साथ भारी मात्रा में सोना भी बरामद किया।

**CBI की छापेमारी में करोड़ों का सोना-चांदी और कैश बरामद**

# IRS अधिकारी के परिसरों से निकला खजाना

**कोच्चि (एजेंसी)।** , केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने दिल्ली, मुंबई और पंजाब में एक वरिष्ठ भारतीय राजस्व सेवा (IRS) अधिकारी से जुड़े परिसरों पर छापेमारी के बाद 1 करोड़ नकद के साथ सोने और चांदी के सिक्के और आभूषण जब्त किए हैं। CBI ने अधिकारी के परिसरों से 3.5 किलोग्राम सोना, 2 किलोग्राम चांदी और 1 करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं, जिन्हें रविवार को 25 लाख रुपये के रिश्वत मामले में उनके एक सहयोगी के साथ गिरफ्तार किया गया था।

यह 2007 बैच के IRS अधिकारी हैं और दिल्ली में करदाता सेवा निदेशालय में अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर तैनात थे। एक CBI अधिकारी ने बताया, ÷केंद्रीय जांच ब्यूरो ने विभिन्न परिसरों में तलाशी ली और पर्याप्त संपत्ति और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की, जिसमें लगभग 3.5 किलोग्राम सोना और 2 किलोग्राम चांदी, जिसका मूल्य लगभग 3.5 करोड़ रुपये है और लगभग 1 करोड़ रुपये नकद शामिल हैं।÷ जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि अधिकारी की दिल्ली, मुंबई और पंजाब में संपत्तियां हैं।

अधिकारी ने कहा, ÷एक लॉकर और विभिन्न बैंकों में 25 बैंक खातों के दस्तावेज मिले हैं और दिल्ली, मुंबई और पंजाब में स्थित अचल संपत्तियों और परिसंपत्तियों के दस्तावेज मिले हैं। सभी चल और अचल संपत्तियों का कुल मूल्य अभी पता लगाया जाना बाकी है।÷

CBI ने शनिवार को अधिकारी के खिलाफ एक मामला दर्ज किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि लोक सेवक ने एक पिज्जा चेन के मालिक शिकायतकर्ता से राजस्व विभाग से अनुकूल व्यवहार के बदले 45 लाख रुपये की अवैध रिश्वत की मांग की थी। CBI FIR के अनुसार, उन्होंने ला पिनोज पिज्जा के मालिक सनम कपूर को जारी किए गए आयकर नोटिस को निपटाने के लिए कुल 45 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी।

शिकायतकर्ता ने बताया कि मांग के साथ कानूनी कार्रवाई, भारी जुर्माना लगाने और अनुपालन न करने की स्थिति में उत्पीड़न की धमकी भी दी गई थी। शिकायतकर्ता को शनिवार को पंजाब के मोहाली स्थित उनके आवास पर 25 लाख रुपये की पहली किस्त पहुंचाने के लिए कहा गया था। इसके बाद CBI ने जाल बिछाया और आरोपी के सहयोगी को आरोपी की ओर से शिकायतकर्ता से 25 लाख रुपये की रिश्वत की मांग करते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथों पकड़ा।

## मां के अंदर खून की कमी पर बच्चा होते ही जिला अस्पताल से छुट्टी

**डिंडोरी (एजेंसी)।** मध्य प्रदेश के डिंडोरी में जिला अस्पताल की खराब हालत बैगा जनजाति की महिलाओं पर भारी पड़ रही है। यहां अस्पताल में पर्याप्त बेड की कमी है या कर्मचारी ज्यादा दिन किसी मरीज को अस्पताल में रखना नहीं चाहते हैं। इसी वजह से इलाज पूरा होने से पहले ही उनकी छुट्टी कर दी जाती है। बीमार मरीज अपने परिजनों के साथ फर्श पर ही पड़े रहते हैं। वहीं, जब इन हालातों की शिकायत जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से की जाती है तो वह झल्ला कर फोन काट देते हैं। रविवार को भी ऐसा ही मामला सामने आया है। जनपद पंचायत अध्यक्ष आशा धुर्वे सिकल सेल से पीड़ित बैगा जनजाति की महिला को खून देने के लिए अस्पताल पहुंची थीं। यहां उन्होंने देखा कि जिस मरीज को वह खून देने पहुंची हैं। वह फर्श पर एक कोने में लेटी हुई है। ऐसे में उन्होंने मरीज को बेड दिलाने के लिए फोन लगाया तो जिले के मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर रमेश मरावी झल्ला गए। उन्होंने कहा कि सभी मुझे ही समस्याएं बताते हैं। इसके साथ ही उन्होंने फोन काट दिया।

## कश्मीरी मुस्लिम को बनाया गया साई मंदिर का ट्रस्टी

**अनंतनाग में बनने वाले साई मंदिर परियोजना के लिए एक ऐतिहासिक कदम**

**अनंतनाग (एजेंसी)।** जब देश में धार्मिक प्रतिनिधित्व को लेकर बहसें छिड़ी हुई हैं, विशेषकर वक्फ बोर्डों में हिंदू सदस्यों को लेकर ऐसे समय में कश्मीर से एक भावुक कर देने वाली कहानी सामने आ रही है। ये कहानी एकता, विश्वास और समावेशी राष्ट्रवाद की मिसाल है। सूरत (गुजरात) स्थित एक प्रतिष्ठित धार्मिक एवं सामाजिक संस्था साई मंदिर संस्थान ने अनंतनाग में बनने वाले साई मंदिर परियोजना के लिए कश्मीरी मुस्लिम और जमीनी सामाजिक कार्यकर्ता फिरदौस बाबा को ट्रस्टी नियुक्त करके एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। पहचान की राजनीति से अक्सर बंटे इस देश में यह एक नियुक्ति बहुत कुछ कहती है कि भारत की आत्मा विभाजन में नहीं, बल्कि साझी सेवा और आपसी सम्मान में बसती है।कश्मीर सेवा संघ के संस्थापक फिरदौस बाबा, घाटी में शिक्षा, स्वास्थ्य, पुनर्वास और कौशल निर्माण जैसे क्षेत्रों में वर्षों से काम करते आ रहे हैं, विशेषकर संघर्षग्रस्त और पिछड़े क्षेत्रों में। मंदिर ट्रस्ट में उनकी नियुक्ति कोई प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि उनके सेवा-भाव, ईमानदारी और दृष्टिकोण की सच्ची स्वीकारोक्ति है। यह भारत और दुनिया को यह मजबूत और भरोसेमंद संदेश देती है- आस्था व्यक्तिगत है, पर सेवा सार्वभौमिक। एक मुस्लिम व्यक्ति का साई बाबा



जो सभी समुदायों में पूजनीय हैं के हिंदू मंदिर के मुख्य ट्रस्टियों में से एक बनना यह दर्शाता है कि आध्यात्मिकता और सेवा सभी सीमाओं से ऊपर हो सकती है।

यह अहम कदम उस दुखद समय में उठाया गया है जब पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने घाटी को गहरे घाव दिए। लेकिन बदले या पलायन के रास्ते के बजाय, ट्रस्ट ने करुणा के जरिए पुनर्निर्माण का मार्ग चुना। अनंतनाग में प्रस्तावित ÷मानवता का मंदिर÷ केवल एक धार्मिक स्थल नहीं होगा, बल्कि एक जीवंत सामाजिक पारिस्थितिकी तंत्र होगा जहां महिलाएं सशक्त होंगी, बच्चे शिक्षित होंगे, और सबको बिना भेदभाव के स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी।

## रांची जा रहे इंडिगो विमान से टकराया पक्षी

**यात्रियों में मचा हड़कंप, पायलट ने कराई इमरजेंसी लैंडिंग**

**रांची (एजेंसी)।** झारखंड की राजधानी रांची के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की एक फ्लाइट से एक पक्षी टकरा गया। इसकी वजह से फ्लाइट की आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। विमान में सवार सभी 175 यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना उस समय हुई जब फ्लाइट- 6श्व 6152 रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर लैंडिंग कर रही थी। पक्षी विमान के अगले हिस्से (नोज सेक्शन) से टकरा गया। इसके बाद पायलट ने विमान को सुरक्षित तरीके से रनवे पर उतार लिया। बर्ड हिट की जानकारी मिलते ही एयरपोर्ट अथॉरिटी की टीम मौके पर पहुंची। तकनीकी टीम विमान की जांच कर रही है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि विमान को कोई बड़ा नुकसान तो नहीं हुआ है। जब तक पूरी जांच नहीं हो जाती, तब तक विमान को उड़ान की अनुमति नहीं होगी।

बता दें कि जब कोई पक्षी उड़ते हुए विमान से टकराता है, तो उसे %बर्ड स्ट्राइक% कहा जाता है। यह हवाई सुरक्षा के




लिए एक सामान्य, लेकिन गंभीर खतरा है। ज्यादातर बर्ड स्ट्राइक की घटनाएं हवाई अड्डे के आस-पास होती हैं, खासकर विमान के टेकऑफ या लैंडिंग के दौरान। इस दौरान विमान कम ऊंचाई पर होता है, जहां पक्षियों की गतिविधि ज्यादा होती है।

## 'मदरसे हमारी पहचान, इसको मिटने नहीं देंगे'

**मौलाना अरशद मदनी ने कही ये बात**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मदरसे हमारी दुनिया नहीं, धर्म हैं, ये हमारी पहचान हैं और हम अपनी इस पहचान को मिटने नहीं देंगे। ये बातें जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने रात्रि में आजमगढ़ के क़स्बा सराय मीर में आयोजित %अखिल भारतीय मदरसा सुरक्षा सम्मेलन% में अपने संबोधन के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य सम्मेलन नहीं है, बल्कि वर्तमान हालात में मदरसों की हिफाज़त को सुनिश्चित करने हेतु गंभीर मंथन और आगे की रणनीति तय करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। आइए जानते हैं कि मौलाना अरशद मदनी ये बातें क्यों कही हैं।

मौलाना अरशद मदनी ने कहा है कि ये मदरसे सिर्फ़ शिक्षा के केंद्र नहीं हैं। इनका मकसद सिर्फ पढ़ाना-लिखाना नहीं बल्कि देश और कौम की सेवा के लिए नई नस्लों की सोच और तालीम को तैयार करना भी



रहा है। उन्होंने कहा कि आज जिन मदरसों को गैरकानूनी कहकर ज़बरदस्ती बंद किया जा रहा है, ये वही मदरसे हैं जहाँ से सबसे पहले अंग्रेजों की गुलामी के खिलाफ आवाज उठी थी। उन्होंने इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि जब 1803 में पूरा भारत अंग्रेजों के कब्जे में चला गया था, तब दिल्ली से मशहूर धार्मिक व रूहानी हस्ती हज़रत शाह अब्दुल अज़ीज़ मोहद्दिस देहलवी ने मदरसा रहिमिया से एक टूटी चटाई पर बैठकर ऐलान किया कि देश गुलाम हो चुका है, इसलिए गुलामी से आज़ादी के लिए संघर्ष करना एक धार्मिक कर्तव्य है। इस ऐलान के बाद उनके मदरसे को नेस्तोनाबूद कर दिया गया और उन पर जुल्म व सितम के पहाड़ तोड़े गए।

मौलाना मदनी ने कहा कि 1857 की क्रांति, जिसे अंग्रेज़ों ने ÷गदर÷ कहा, उसी का नतीजा था कि सिर्फ दिल्ली में 32,000 उलमा को शहीद कर दिया गया। हमारे बड़ों की डेढ़ सौ साल की कुर्बानियों के बाद यह देश आज़ाद हुआ। दारुल उलूम देवबंद की स्थापना भी इसी मक़सद से की गई थी कि वहां से देश की आज़ादी के लिए नए सपूतों को तैयार किए जाएं। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि आज इतिहास से अनजान लोग उन्हीं मदरसों को आतंकवाद का अड्डा बता रहे हैं, ये आरोप भी लगाया जाता है कि वहां कट्टरपंथ की तालीम दी जाती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश से लेकर उत्तराखंड, असम और हरियाणा तक मदरसों और मस्जिदों के खिलाफ कार्रवाई मज़हब की बुनियाद पर की जा रही है। उन्होंने सवाल किया कि एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष देश में यह भेदभाव और अन्याय क्यों? जबकि संविधान ने सभी नागरिकों को समान अधिकार और अवसर दिए हैं।

## व्यापम जैसा अब सिपाही भर्ती परीक्षा घोटाला आया सामने

**भोपाल (एजेंसी)।** देशभर में भर्ती परीक्षा में घोटाले के लिए बदनाम व्यापम की तर्ज पर एक बार फिर से मध्य प्रदेश में सिपाही भर्ती परीक्षा में बड़ा घोटाला सामने आया है। 2023 में हुई इन सिपाही भर्ती परीक्षाओं में कैंडिडेट्स ने परीक्षा से पहले आधार अपडेट कर सॉल्वर की फोटो लगाकर, उसे अपनी जगह एग्जाम में बिठाकर, फर्जीवाड़ा कर के आरक्षक के तौर पर सिलेक्ट हो गए। इसका खुलासा कैंडिडेट के दस्तावेजों की जांच के बाद हुआ। मामला सामने आने के बाद कई जिलों में पुलिस ने आरक्षकों खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। ग्वालियर में आरक्षक भर्ती परीक्षा 2023 में फर्जीवाड़ा करने का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। परीक्षा में मुरैना, श्योपुर,



शिवपुरी के पांच अभ्यर्थियों ने दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा कर अपने स्थान पर सॉल्वर से परीक्षा दिलाई थी। सिलेक्शन के बाद जब नियुक्ति के समय इनके आधार की हिस्ट्री चेक की गई तो गड़बड़ समझ में आई। व्यापम जिसका नाम बदलकर मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल रखा गया है उसने पूरा रिकॉर्ड तलब किया तो लिखित परीक्षा के आवेदन में फोटो और हैंड राइटिंग मिस मैच पाई गई। इसके बाद जांच कमेटी की शिकायत पर इस मामले में पांचों चयनित युवकों पर ग्वालियर के कंपू थाना पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया गया है।

# राम मंदिर जाने को उत्सुक हैं एलन मस्क के पिता एरोल, भारत को बताया वैश्विक महाशक्ति

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टेस्ला के सीईओ और मशहूर अरबपति एलन मस्क के पिता एरोल मस्क भारत दौरे पर हैं। यहां उन्होंने भारत की संस्कृति के साथ-साथ भारत की अर्थव्यवस्था तक की जमकर तारीफ की। एरोल मस्क ने अयोध्या के राम मंदिर में भी जाने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने दुनिया भर में भारत की भूमिका पर कहा, ÷भारत एक स्लीपिंग जायंट है, इसमें कोई संदेह नहीं है। अब, भारत की जीडीपी दुनिया में तीसरी या चौथी सबसे अधिक है, यह बिल्कुल अविश्वसनीय है। यह अंततः एक विश्व शक्ति है। मैं इसके अलावा और क्या कह सकता हूं, यह शानदार है। मैं आपको बताता हूं कि यह शानदार क्यों है, क्योंकि मुझे लगता है कि भारतीय लोग बहुत प्यार करने वाले लोग हैं। वे आक्रामक, मतलबी लोग नहीं हैं। वे ऐसे लोग हैं जो किसी व्यक्ति को गले लगाते हैं। इसलिए हम ऐसे लोगों को एक महत्वपूर्ण वैश्विक शक्ति बनने की स्थिति में देखना चाहते हैं।

वहीं भारत की संस्कृति, विरासत और आध्यात्मिकता पर एरोल मस्क ने कहा, ÷मैं अयोध्या में राम मंदिर का दौरा करने के लिए बहुत उत्सुक हूं। भारत के अविश्वसनीय इतिहास के प्रति मेरी विनम्र प्रशंसा है। मेरे विचार से, दुनिया का इतिहास वास्तव में किसी बिंदु पर भारत से जुड़ा हुआ है। हम जानते हैं कि हमारे पास वेद और इसी तरह के अन्य ग्रंथ हैं जो 14,000 साल पुराने हैं, और शायद उससे भी पहले के हैं। कुछ वेदों में उड़ने वाले वाहनों के बारे में भी बताया गया है। मैंने एक किताब लिखी है जिसमें बहुत सारी कहानियां हैं जिनमें भारत, कश्मीर, दिल्ली आदि के बारे में जानकारी




शामिल है। मैं जानता हूं कि भारत एक आकर्षक जगह है, इसमें कोई संदेह नहीं है।यह पूछे जाने पर कि हम भारत में टेस्ला की उम्मीद कब कर सकते हैं? इस पर एलोर मस्क ने कहा, ÷यह ऐसी चीज है जिसके बारे में मुझे बहुत ज्यादा न कहने के लिए सावधान रहना होगा। टेस्ला एक सार्वजनिक कंपनी है। जब मैं देखता हूं कि भारत में कितनी ऊर्जा है, कितने अच्छे लोग हैं, और जब मैं यह सुनता हूं कि क्क्ड्ढ्ठ जैसी कंपनियां और टाटा, महिंद्रा जैसे ब्रांड बेहतरीन गाड़ियां बना रहे हैं, तो मेरा मन कहता है कि भारत में टेस्ला क्यों नहीं है, लेकिन यह सिर्फ मेरी व्यक्तिगत राय है।

वहीं भारत के लिए अपनी योजनाओं के बारे में बताते हुए एरोल मस्क ने कहा, ÷मैंने %सर्वोटेक% नामक कंपनी का अध्ययन किया है और इसके बारे में पता लगाया है, मैं उनके काम से बहुत प्रभावित हूं। वे दुनिया भर की उन कई कंपनियों में से एक हैं जो बहुत महत्वपूर्ण काम करने के लिए उभर रही हैं- यानी बिजली की हर छोटी-छोटी मात्रा को बचाना और यह सुनिश्चित करना कि धरती पर बिजली की हर छोटी-छोटी मात्रा का उपयोग हो। हमें इसकी बहुत जरूरत है, क्योंकि बिजली की मांग में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है, इसलिए यह स्पष्ट रूप से काम करने के लिए सबसे दिलचस्प क्षेत्रों में से एक है।÷

वैश्विक स्तर पर ग्रीन टेक्नोलॉजी के उपयोग पर एरोल मस्क ने कहा, ÷हम बिजली पर अधिक से अधिक निर्भर होते जा रहे हैं। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का वर्तमान मूल्य लगभग 8 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है और अगले पांच वर्षों में इसके 100 बिलियन होने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि अधिक बिजली की जरूरत है, बहुत अधिक बिजली की जरूरत है।

## पचमढ़ी राजभवन में 3 जून को होगी कैबिनेट बैठक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 3 जून मंगलवार को पचमढ़ी के राजभवन में मंत्रि-परिषद की बैठक होगी। विरासत से विकास और जनजातीय नायकों को सम्मान देने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव और राज्य शासन कृत संकल्पित है। मंत्रि-परिषद की बैठक विशेष रूप से जनजातीय समाज और शौर्य पराक्रम के प्रतीक रहे राजा भभूत सिंह की स्मृति को समर्पित होगी, जिनकी ऐतिहासिक भूमिका को मंत्रि-परिषद की बैठक के दौरान पुनः स्मरण किया जाएगा। पचमढ़ी गोंड शासक राजा भभूत सिंह के ऐतिहासिक योगदान को समेटे हुए है। उन्होंने इस पहाड़ी भूभाग का उपयोग शासन संचालन, सुरक्षा और सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा के लिए किया। पचमढ़ी भगवान भोलेनाथ की नगरी के रूप में भी प्रसिद्ध है। पचमढ़ी की धूपगढ़ चोटी समुद्र तल से लगभग 1,350 मीटर (4,429 फीट) की ऊँचाई पर स्थित है। यह स्थल सतपुड़ा पर्वतमाला का प्रमुख आकर्षण है। धूपगढ़ से दिखाई देने वाला सूर्योदय और सूर्यास्त न केवल पर्यटकों को मंत्रमुग्ध करता है, बल्कि यह स्थल गोंड साम्राज्य की रणनीतिक शक्ति और प्राकृतिक संरक्षण दृष्टिकोण को भी दर्शाता है। पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन भी है। मंत्रि-परिषद की बैठक का आयोजन प्रशासनिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। यह पचमढ़ी की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत को सम्मानित करने का अवसर है।

## ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने लिया संकल्प

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ, प्रदूषण मुक्त और हरित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने एक माह तक एसी और पेट्रोल-डीजल चलित वाहन का उपयोग नहीं करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि वह एक माह तक ग्वालियर में अपने निवास के सामने स्थित पार्क में तंबू लगाकर पंखे में रात्रि विश्राम करेंगे। मंत्री श्री तोमर ग्वालियर शहर में ई-बाइक का उपयोग और बाइक चार्जिंग में सोलर एनर्जी का प्रयोग करेंगे। मंत्री श्री तोमर का यह संकल्प प्रतीकात्मक संदेश है कि आदतों में थोड़ा बदलाव भी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकता है। उन्होंने इस अभियान के अंतर्गत नागरिकों से अपील की है कि वे अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल आदतें अपनाकर प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग करें। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि प्रदूषण का प्रभाव हमारे जीवन के प्रत्येक पहलू-स्वास्थ्य, पर्यावरण और समाज-पर गहरा पड़ता है। वायु प्रदूषण से साँस संबंधी रोग, धूल और धुएँ से एलर्जी, जल प्रदूषण से डायरिया, हैजा जैसे रोग होते हैं। ध्वनि प्रदूषण से मानसिक तनाव और नींद की कमी जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। प्रदूषण के कारण ओज़ोन परत को नुकसान होता है और ग्लोबल वॉर्मिंग बढ़ती है। इसका परिणाम है कि बर्फ के पहाड़ पिघलते हैं और समुद्र का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण से जीवन स्तर की गुणवत्ता कम होती है, बीमारियाँ बढ़ती हैं और सामाजिक असंतुलन उत्पन्न होता है। साफ हवा, स्वच्छ पानी और सुरक्षित वातावरण का अभाव समाज में तनाव और असुरक्षा को जन्म देता है।

## घरेलू विद्युत उपभोक्ता विद्युत व्यवधानों से मुक्ति पाएं, स्वैच्छिक भार (लोड) वृद्धि स्वीकृत करवायें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिसर के वास्तविक विद्युत भार के अनुरूप अपने कनेक्शन की भार वृद्धि स्वेच्छा से स्वीकृत कराना सुनिश्चित करा लें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा विद्युत भार की वृद्धि स्वेच्छा से कराने के लिए उपभोक्ताओं को जागरूक करने का अभियान इन दिनों चलाया जा रहा है। कंपनी ने बताया है कि उपभोक्ता कंपनी के पोर्टल पर स्वेच्छिक ऑनलाइन आवेदन कर भार वृद्धि करा सकते हैं। गौरतलब है कि विद्युत उपभोक्ता सामान्यतः कंपनी द्वारा स्वीकृत विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग करते हैं जिस कारण से कम्पनी की विद्युत अधोसंरचना अतिभारित हो जाती है और विद्युत कंपनी के साथ ही उपभोक्ताओं को भी अनावश्यक रूप से विद्युत व्यवधानों का सामना करना पड़ता है।

# स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में अग्रणी बनने के लिए हर स्तर पर समन्वय और सक्रियता अनिवार्यः उप मुयमंत्री शुल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अन्तर्गत 15वें वित्त आयोग एवं प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत ङ्क स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-अभिम) के अंतर्गत संचालित निर्माण एवं विकास कार्यों की संभागवार वृहद समीक्षा की। बैठक में निर्माण कार्यों की प्रगति, बजट व्यय की स्थिति, गुणवत्ता, समय-सीमा, तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग के महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा कर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य बने, इसके लिए सभी स्तरों पर समन्वय और सक्रियता अनिवार्य है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सभी कार्यों की सघन मॉनिटरिंग कर निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण किए जाएं, ताकि आम नागरिकों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि संभागीय स्तर पर कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए। हर 15 दिवस में राज्य स्तर पर कार्यों की प्रगति की समीक्षा होगी। इस अवसर पर प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त श्री तरुण राठी, परियोजना संचालक श्री नीरज कुमार सिंह सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि तकनीकी सहयोग और कार्यों की गहन निगरानी हेतु आवश्यक तकनीकी मैनपावर की समुचित व्यवस्था की जाए और इसके लिए एक प्रभावी निगरानी तंत्र तैयार किया जाए। किसी भी स्तर पर कार्यों में अवरोध हो तो उसकी जानकारी तत्काल उच्च स्तर पर दी जाए।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदेशवासियों को सुलभ, सशक्त और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है और इसके लिए जो भी आवश्यक कदम उठाने होंगे, वे तत्परता से उठाए जाएंगे।

15वें वित्त आयोग में मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य ढाँचे के सुदृढ़ीकरण के लिए 4 हजार 600 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई, जिसमें से अब तक 2 हजार 540 करोड़ रुपये की राशि राज्य को प्राप्त हुई है और 1 हजार 487 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। भवनविहीन उप स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण हेतु 1 हजार 649.17 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई, जिसमें 543.06 करोड़ रुपये जारी किए गए और 298.97 करोड़ रुपये का व्यय हुआ। ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स हेतु 94.41 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई, 57.98 करोड़ रुपये जारी हुए और 44.47 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

उप स्वास्थ्य केंद्रों में डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना के लिए 544.87 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत हुई, जिसमें 312.96 करोड़ रुपये जारी किए गए और 226.36 करोड़ रुपये का व्यय हुआ। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर हेतु 577.34 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए, जिनमें से 331.56 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई और 219.60 करोड़ रुपये व्यय हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों के उप स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में परिवर्तित करने हेतु 395.50 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत और पूर्णतः जारी की गई, जिसमें से 297.78 करोड़ रुपये का व्यय हुआ।

शहरी क्षेत्रों में डायग्नोस्टिक सुविधाओं के विकास हेतु 144.28 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए, 54.34 करोड़ रुपये जारी हुए और 41.07 करोड़ रुपये व्यय किए गए। शहरी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों की स्थापना एवं संचालन हेतु 1 हजार 195.29 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई

## सरकारी स्कूलों में सीसीएलई गतिविधियों को दिया जायेगा बढ़ावा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में कन्टीन्यूअस एण्ड कॉम्प्रेंसिव ईवेल्युएशन (सीसीएलई) गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थियों के लिये 21वीं शताब्दी के कौशल अर्जित करने पर जोर दिया गया है। इस बात को ध्यान में रखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग सरकारी हाई और हायर सेकण्डरी स्कूलों में सीसीएलई कार्यक्रम अर्थात सतत् एवं व्यापक अधिगम एवं मूल्यांकन कार्यक्रम के रूप में संचालित कर रहा है।

सीसीएलई गतिविधियों के अंतर्गत प्रति सप्ताह होने वाले लेखन कौशल, वक्तव्य कौशल, प्रश्नोत्तरी कौशल, दृश्य और प्रदर्शन कला पर केन्द्रित गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मदद करती हैं। नये शैक्षणिक सत्र 2025-26 में ग्रीष्म अवकाश के बाद बाल सभा प्रत्येक शनिवार को पूर्वानुसार प्रथम 3 कालखण्ड में संचालित होगी। वर्ष 2024-25 में सीसीएलई गतिविधियों की राज्य स्तर पर मॉनिटरिंग के लिये विमर्श पोर्टल पर मॉड्यूल निर्माण किया गया था। प्रदेश में वर्तमान में 369 सर्वसुविधा युक्त सांदीपनि विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। पूर्व में यह विद्यालय सीएम राइज स्कूल के नाम से जाने जाते थे।

## मंत्रालय में हुआ राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र-गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** जून माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र-गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन हुआ।

इस अवसर पर पुलिस बैंड ने मधुर धुनें प्रस्तुत की। वंदेमातरम गायन में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण,विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, सहित सतपुड़ा-विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

## विद्यालयों में ईको क्लब के माध्यम से व्यापक स्तर पर चलाया जायेगा पौध रोपण अभियान

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।** स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के विद्यालयों में 5 जून से ईको क्लब के माध्यम से व्यापक स्तर पर पौध रोपण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। यह अभियान प्रदेश में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 के नाम से चलाने का फैसला किया गया है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये हैं। प्रत्येक जिले में अभियान के दौरान एक लाख पौधों का रोपण करने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में विद्यार्थियों की भागीदारी से 30 सितम्बर तक 50 लाख पौधे रोपे जायेंगे।

व्यापक स्तर पर पौध रोपण का उद्देश्य बच्चों और युवा पीढ़ी को सतत् विकास के प्रति संवेदनशील बनाने और प्रकृति को हरा-भरा बनाने में सक्रिय भागीदार बनाना है। यह अभियान मातृत्व की भावना का सम्मान करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना भी है। पौध रोपण में स्थानीय और क्षेत्रीय प्रजातियों के पौधे लगाने को प्राथमिकता दी जायेगी। अभियान के दौरान बच्चों को पौधों की किस्मों और उनके फायदे की जानकारी भी साझा की जायेगी।

जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी को विद्यालयों, ग्राम में उपलब्धभूमि एवं विद्यालय की छात्र संख्या के अनुसार कार्ययोजना बनाने के लिये कहा गया है। जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठन करने को कहा गया है। समिति में वनमंडल अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक, स्कूल प्राचार्य, समाज के प्रमुख नागरिकों को शामिल करने के लिये कहा गया है। समिति के नोडल अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र सहायक नोडल अधिकारी होंगे।

पौध रोपण की तैयारी 4 जून तक करने के लिये कहा गया है।

## डीजीएम विद्युत वितरण कंपनी की 2 वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर गत रात्रि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के गोविन्दपुरा स्थित काल सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का समय पर निराकरण नहीं करने पर डीजीएम मुरैना श्री अभिषक चौरसिया की 2 वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिये। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कॉल सेंटर से ही डीजीएम भोपाल सिटी ईस्ट जोन और डीजीएम रायसेन से भी बात कर समस्याओं के निराकरण में देरी पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। भिण्ड जिले के गोरमी गाँव के उपभोक्ता श्री नरेन्द्र सिंह से भी बात कर उनकी समस्या के संबंध में जानकारी ली।

# पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण से भावी पीढ़ी को मिलेगी जल सुरक्षा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल से ही जीवन का आरम्भ हुआ। जल ही जीवन का आधार है। मानव शरीर का 70 प्रतिशत भाग जल से निर्मित है। स्वास्थ्य और संतुलित विकास का मूल आधार भी जल ही है। जल हमें स्वच्छता, संपन्नता और समृद्धि की ओर ले जाता है। यह समुद्रों, नदियों, झीलों और तालाबों के रूप में प्रकृति में विद्यमान है, लेकिन इसके संरक्षण-संवर्धन की आवश्यकता है। आज जल का संरक्षण आने वाले पीढ़ियों की सुरक्षा का आधार बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में जल गंगा सवंर्धन अभियान 30 मार्च से चलाया जा रहा है। अभियान का समापन गंगा दशहरा, 30 जून

को होगा। जन-जन के जीवन से जुड़े इस अभियान में नये तालाब बनाये जा रहे हैं, पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है और नदियों को साफ-स्वच्छ किया जा रहा है।

अभियान में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्त्रोतों तथा देवालयों में भी जल संरक्षण के कार्य भी किये जा रहे हैं। अभियान के अंतर्गत एक माह में जन सहयोग से हुए काम के परिणाम भी सामने आने लगे हैं। मानसून पूर्व प्रदेश में हुई पहली बारिश में ही अभियान में बने खेत तालाब वर्षा जल स्टोर हो रहा है।

छतरपुर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विभिन्न कार्य किए जा रहे है। साथ ही पारम्परिक जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार, मरम्मतीकरण, गहरीकरण एवं साफ सफाई आदि कार्य किए जा रहे है। इसी क्रम में बिजावर में श्री जानकी निवास मंदिर परिसर में लगभग 150 वर्ष पुरानी एक बावड़ी का जीर्णोद्धार कार्य जनभागीदारी और प्रशासनिक समन्वय सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। डेढ़ सदी पुरानी यह बावड़ी अपने समय में बिजावर के लिए एक महत्वपूर्ण जल स्त्रोत थी। समय के साथ उपेक्षा और रख-रखाव की कमी के कारण यह जीर्ण-शीर्ण हो गई थी।

# वीर क्रांतिकारी राजा भभूतसिंह : सतपुड़ा की गोद से जन्मी आज़ादी की ज्वाला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य भारत की धरती, विशेषकर मालवा और नर्मदा तटवर्ती सतपुड़ा क्षेत्र, प्राचीन समय में अवंतिका महाजनपद का हिस्सा रही है। इस क्षेत्र की महादेव पहाड़ियाँ, ताप्ती और नर्मदा की घाटियाँ, हजारों वर्षों से धार्मिक और आध्यात्मिक साधना की भूमि रही हैं। यहाँ का कोरकू आदिवासी समाज भोलेनाथ को अपना आराध्य और कुल देवता मानता है। ऐसा विश्वास है कि कोरकू समाज भोलेनाथ के गणों और उनके अनुयायियों के वंशज हैं। कोरकू समुदाय का प्रभुत्व 18वीं सदी तक इस सम्पूर्ण भूभाग में स्थापित था। राजा भभूतसिंह कोरकू, इसी परंपरा के एक ऐसे सिद्ध पुरुष और जागीरदार थे, जिनका प्रभुत्व पचमढ़ी, हर्राकोट, पातालकोट, तामिया, बोरी, मढ़ई, हरियागढ़, केसला, बैतूल और हरदा तक फैला हुआ था।

राजा भभूतसिंह का जीवन चमत्कारिक शक्तियों, आध्यात्मिक सिद्धियों और रणकौशल का अद्वितीय संगम था। वे तंत्र-मंत्र, जड़ी-बूटियों और वन औषधियों में पारंगत थे। कहा जाता है कि उन्होंने ऐसी दिव्य औषधियों का प्रयोग कर रखा था जिससे उनके शरीर पर किसी भी अस्त्र-शस्त्र का प्रभाव नहीं होता था। उन्होंने बूटी को अभिमंत्रित कर अपने शरीर में स्थापित किया था और इस कारण से लोहे के हथियार उनके शरीर को नुकसान नहीं पहुँचा सकते थे।

उनके शरीर की अमरता की कथा भी प्रसिद्ध है- राजा केवल हरे बांस की लकड़ी से ही मृत्यु को प्राप्त हो सकते थे, यह रहस्य केवल उनके सबसे निकटस्थ एक मित्र को ज्ञात था।

1857 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जब तात्या टोपे और उनकी सेना अंग्रेजों से संघर्ष करते हुए सतपुड़ा पहुँचे, तब उन्होंने राजा भभूतसिंह की शरण ली। अक्टूबर 1858 के अंतिम सप्ताह में फतेहपुर के सरैया घाट से तात्या टोपे ने नर्मदा पार की और पचमढ़ी क्षेत्र में प्रवेश किया। राजा भभूतसिंह ने गुफाओं के माध्यम से उन्हें हरियागढ़, बोरदई और फिर मुलताई क्षेत्र की ओर भेजा। अंग्रेज कप्तान जेम्स फोर्सिथ को जब यह पता चला कि भभूतसिंह ने तात्या टोपे को शरण दी है, तो उसने फतेहपुर के नवाब आदिल मोहम्मद खान के माध्यम से राजा से तात्या को सौंपने का आग्रह किया। लेकिन निडर भभूतसिंह ने अंग्रेजों के सामने झुकने से इनकार कर दिया। जुलाई 1859 में राजा भभूतसिंह ने खुलेआम विद्रोह कर दिया। अंग्रेजों ने मिलिट्री पुलिस और मद्रास इन्फेंट्री की टुकड़ी को भेजा। देनवा घाटी में युद्ध हुआ जो लगभग छह महीनों तक चला। कोरकू योद्धाओं की गुप्त युद्ध नीति और पहाड़ी मार्गों की जानकारी अंग्रेजों के भारी हथियारों पर भारी पड़ी। कहा जाता है कि युद्ध के दौरान राजा ने चिरौठा के दानों को मंत्रों से अभिमंत्रित कर मधुमक्खियों में परिवर्तित किया

## राजा भभूत सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम के समय तात्या टोपे की मदद की

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विरासत से विकास और अपने जनजातीय नायकों को सम्मान देने के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्य शासन के सूत्र वाक्य के तहत मंगलवार 3 जून को पचमढ़ी में होने वाली बैठक में राजा भभूत सिंह के शौर्य तथा पराक्रम को याद किया जाएगा। पचमढ़ी के राजा भभूत सिंह ने जल, जंगल, जमीन एवं अपने क्षेत्र को बाहरी आक्रांताओं तथा अंग्रेजों से बचाए रखने के लिए समाज को एकजुट कर अंग्रेजी शासन का मुकाबला किया।

राजा भभूत सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम के समय महान स्वतंत्रता सेनानी तात्या टोपे की मदद भी की। वे तात्या टोपे के आह्वान पर देश की आजादी की मशाल लेकर सतपुड़ा की सुरम्य वादियों में निकल पड़े। उन्होंने सतपुड़ा की वादियों में आजादी की मशाल जलाई। राजा भभूत सिंह ने अंग्रेजों की आँख में धूल झोंकते हुए अक्टूबर 1858 के अंतिम सप्ताह में तात्या टोपे के साथ ऋषि शांडिल्य की पौराणिक तपोभूमि सौंडिया के पास नर्मदा नदी पार की। भभूत सिंह और तात्या टोपे ने नर्मदांचल में आजादी के आंदोलन की योजना बनाई। पचमढ़ी में सतपुड़ा की गोद में तात्या टोपे ने अपनी फौज के साथ भभूत सिंह से मिलकर 8 दिनों तक पड़ाव डाला और आगे की तैयारी करते रहे। हर्राकोट के जागीरदार भभूत सिंह का जनजातीय समाज पर बहुत अधिक प्रभाव था। उन्होनें जनजातीय समाज को स्वतंत्रता आंदोलान के लिए तैयार किया। राजा भभूत सिंह को सतपुड़ा के घने जंगलों एवं पहाड़ियों के चप्पे-चप्पे की जानकारी थी, जहाँ उन्होंने जनजातीय समाज को एकजुट कर उनके साथ मिल कर गौरिल्ला युद्ध पद्धति से अंग्रेजों का मुकाबला किया। राजा भभूत सिंह का रणकौशल ज़बरदस्त था। वह पहाड़ियों के चप्पे-चप्पे से वाकिफ थे, जबकि अंग्रेज़ फौज पहाड़ी रास्तों से परिचित नहीं थी। भभूत सिंह की फौज अचानक उन पर हमला करती और गायब हो जाती। इससे अंग्रेज बहुत ज्यादा परेशान रहने लगे ऐतिहासिक संदर्भों से ज्ञात होता है कि राजा भभूत सिंह का रणकौशल शिवाजी महाराज की तरह था।

## रीवा, अम्बिकापुर व सिंगरौली इंटरसिटी ट्रेनों में लगेंगे एलएचबी कोच

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। यात्रियों को अब इंटरसिटी ट्रेनों में भी बेहतर यात्रा अनुभव मिलेगा। पश्चिम मध्य रेलवे ने रीवा, अम्बिकापुर और सिंगरौली के बीच चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेनों में आधुनिक और सुरक्षित एलएचबी कोच लगाने का फैसला किया है। यह बदलाव यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। बता दें कि एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) कोच उच्च तकनीक से निर्मित हैं, जो पारंपरिक आईसीएफ कोचों की तुलना में न केवल ज्यादा सुरक्षित हैं, बल्कि अधिक आरामदायक भी हैं। इनकी गति क्षमता भी अधिक होती है।

## ग्राम पंचायत भरहटा में की गई बावडी की सफाई

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उचेहरा विकासखंड के कबीर आश्रम ग्राम पंचायत भरहटा में बावड़ी स्वच्छता कार्यक्रम के तहत जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था कल्पवृक्ष सेवा संस्थान के कार्यकर्ताओं के साथ परामर्शदाता और छात्रों द्वारा बावड़ी सफाई का कार्य किया गया।

स्थानीय पुजारी के अनुसार सम्राट अशोक के समय इस बावड़ी का निर्माण कराया गया था। बताया गया कि प्राचीन समय में राहगीर और स्थानीय गांव के लोग इसी से पानी पीते थे। आयोजित श्रमदान में परामर्शदाता सतवंत सिंह, हनुमान सिसोदिया, लक्ष्मी प्रजापति, पुष्पांजलि सिंह, अनिलेश सतनामी, सुमित प्रजापति, सुषमा वर्मा, ज्ञानेंद्र मिश्रा, अमन कुमार, ओमकार कोरी, शिव कोमल कुशवाहा सहित नवांकुर संस्था के कार्यक्रम समन्वयक ओमप्रकाश त्रिपाठी उपस्थित रहे।

# अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित

### कलेक्टर ने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले में अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारियों के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होने ऐसी परिस्थितियों में लोगों के जीवन की रक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जिला स्तर एवं खंड स्तर में बाढ़ कंट्रोल रूम बनाने तथा जानकारियों के त्वरित आदान-प्रदान के लिए वाट्सएप ग्रुप बनाने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने जिले के विगत 5 वर्षों के अनुभव के आधार पर अतिवृष्टि के कारण बाढ़ संभावित क्षेत्रों की पहचान कर उक्त क्षेत्रों में बाढ़ आने की स्थिति से निपटने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि राहत एवं बचाव के लिए सुनियोजित कार्य योजना तैयार करें तथा उसके विषय में संबंधित क्षेत्र के निवासियों को भी अवगत करायें। ऐसे क्षेत्र के ग्रामीण जनों को संभावित खतरों के विषय में जागरूक करें तथा उन्हें ऐसी परिस्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों के विषय में भी अवगत करायें। कलेक्टर ने राहत एवं बचाव कार्य के लिए स्थानीय स्तर पर दलों को बनाने के निर्देश दिए हैं जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के कुशल तैराकों एवं इच्छुक वालेंटियर्स को सम्मिलित किया जाए।

कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को जिले के बांधों विशेषकर बाणसागर एवं गुलाब सागर की स्थितियों की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि बांधों के भरने की स्थिति में गेट खोलने की आवश्यकता होगी ऐसे में निचले स्तर के ग्रामों तथा बसाहटों में पानी भरने की संभावना होगी। ऐसी बसाहटों की पहचान कर वहां के लिए कार्य योजना बनाए। गेट खोलने के पूर्व ग्रामवासियों को सूचना देने का तंत्र विकसित करें तथा उनके लिए सुरक्षित स्थानों की पहचान करें। इसके साथ ही उन्होने सभी नहरों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने एवं आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने अतिवृष्टि के कारण जलमग्न होने वाली पुल, पुलियों एवं रपटों की पहचान कर आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने संबंधित निर्माण एजेन्सियों को ऐसे स्थानों पर चेतावनी चिन्ह लगाने के निर्देश दिए हैं तथा जलमग्न होने की स्थिति में बेरीकेटिंग कर आवागमन अवरूद्ध करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने नगरीय निकायों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि सभी स्थानों में बारिश के पूर्व नाले एवं नालियों की सफाई सुनिश्चित करें। साथ ही निचले स्थानों की पहचान कर वहां से जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करायें।

कलेक्टर ने होमगार्ड की टीम को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य को दृष्टिगत रखते हुए सभी आवश्यक उपकरणों की जांच कर उनका उचित रखरखाव करायें। साथ ही दलों का गठन कर उन्हें जिले के बाढ़ संभावित क्षेत्रों में डिप्लाय करें। दलों का प्रशिक्षण करायें तथा ग्रामवासियों को भी बरती जाने वाली सावधानियों के विषय में अवगत करायें।

कलेक्टर ने जिले के मेडिकल दल को आलर्ट मोड में रहने तथा दवाइयों एवं उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने वर्षा ऋतु में पशुओं को बीमारियों से बचाने टीकाकरण की आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पीएचई विभाग को सभी पेयजल स्त्रोतों की नियमित जांच करने तथा उनके शुद्धिकरण की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि संबंधित उपखण्ड अधिकारी अपने क्षेत्र अंतर्गत अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने के कार्य को लीड करेंगे।

बैठक में अपर कलेक्टर अंशुमन राज, संयुक्त कलेक्टर एस. पी मिश्रा, उपखण्ड अधिकारी सिहावल प्रिया पाठक, कुसमी एवं मझौली आर.पी. त्रिपाठी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

## सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को निराकृत करायें - कलेक्टर

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित समीक्षा करें तथा प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित कर शिकायतों को निराकृत करायें। कोई भी शिकायत नॉन अटेण्डेड नहीं रहे और निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यूनतम रहे।

उन्होंने कहा कि मई-25 की शिकायतों के निराकरण में सभी विभाग ए-ग्रेड के लिए प्रयास करेंगे। शिकायतकर्ता से संपर्क कर उनकी वैध समस्याओं का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने सीमांकन एवं भुगतान लंबित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने आरबीसी 6(4) के तहत राहत प्रकरणों को समय सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पहुंच विहीन ग्रामों में अगले चार माह का खाद्यान्न भंडारण करने के निर्देश दिए हैं। लोक निर्माण विभाग को सभी शासकीय भवनों का वर्षा पूर्व साफ-सफाई तथा मरम्मत करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कोविड के दृष्टिगत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में अपर कलेक्टर अंशुमन राज, संयुक्त कलेक्टर एसपी मिश्रा, उपखण्ड अधिकारी सिहावल प्रिया पाठक, मझौली आर पी त्रिपाठी सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

# शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनायें त्यौहार- अपर कलेक्टर

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** अपर कलेक्टर अंशुमन राज तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द्र श्रीवास्तव की अध्यक्षता में दिनांक 07 जून को ईदुज्जुहा एवं 06 जुलाई को मोहर्रम का त्यौहार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाये जाने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

अपर कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्यौहार के दृष्टिगत आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीधी को ईदगाह के आस-पास रोड, नाली की सफाई तथा रोड के किनारे लगे ठेला हटाने संबंधी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही छाया, वाहन पार्किंग एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

ईदुज्जुहा त्यौहार पर बलि का अवशेष नाली में नहीं फेंका जाए इसके लिए नगर पालिका की गाड़ी सभी वार्डों में घुमाने के निर्देश दिए गए है। विद्युत प्रवाह निरंतर बनाए रखने के लिए कार्यपालन यंत्री विद्युत मण्डल सीधी को निर्देशित किया गया है।

बैठक में ईदुज्जुहा एवं मोहर्रम का त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से मानने के लिए जिला स्तर से मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए है। इसके साथ ही सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक पुलिस बल यथा स्थान तैनात करने के निर्देश दिए गए है। सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों का प्रचार प्रसार नहीं करने की अपील की गई है। अपर कलेक्टर तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने सभी को ईदुज्जुहा एवं मोहर्रम त्यौहार की बधाई दी। साथ ही आपसी भाईचारे के साथ त्यौहार मनाने की अपील की।

बैठक में एस.डी.एम. सिहावल प्रिया पाठक, उप पुलिस अधीक्षक गायत्री तिवारी, डिप्टी कलेक्टर प्रशांत त्रिपाठी सहित शांति समिति के सदस्यगण एवं सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

# अज्ञात वाहन से दुर्घटना के पीड़ितों के प्रकरण तत्काल प्रस्तुत करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा अज्ञात वाहन से दुर्घटना के पीड़ितों को तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर मोटरयान अधिनियम के संशोधित प्रावधानों के अनुसार मृत व्यक्ति के परिजनों को दो लाख रुपए की सहायता राशि दी जाती है। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को 50 हजार रुपए तक की सहायता का प्रावधान है। सभी एसडीएम अधिनियम के प्रावधानों के तहत एसडीओपी तथा थाना प्रभारी के द्वारा जानकारी प्राप्त कर समस्त अभिलेखों के साथ सहायता राशि के लिए प्रकरण कलेक्ट्रेट कार्यालय को प्रस्तुत करें। राहत शाखा के प्रभारी अधिकारी सात दिवस में सभी प्रकरण पूरे विवरण के साथ ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करा दें। प्रकरण के साथ एफ्आईआर की कॉपी, पीड़ित के आश्रितों के बैंक खाता संख्या, मृत व्यक्ति के पोस्टमार्टम की रिपोर्ट सहित प्रकरण मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण में दर्ज करें।

कलेक्टर ने कहा कि राहवीर योजना के तहत सड़क दुर्घटना के एक घंटे के गोल्डन पीरियड में पीड़ित को अस्पताल पहुंचाने पर 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें जिससे दुर्घटना पीडितों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए लोग आगे आएं। भारत सरकार की सड़क दुर्घटना पीड़ितों को कैशलेस उपचार योजना 2025 के तहत दुर्घटना पीड़ित को योजना में शामिल अस्पतालों में दुर्घटना से 7 दिन की अवधि तक एक लाख 25 हजार रुपए की सहायता निरूशुल्क दी जाती हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल व्यक्ति को तत्काल उपचार सहायता उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य विभाग के प्रावधानों के अनुरूप योजना का लाभ पीड़ितों को दिया जाएगा। इस योजना का भी व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं।

बैठक में आरटीओ आशुतोष सिंह भदौरिया ने योजना के प्रावधानों की जानकारी दी। बैठक में अपर कलेक्टर अंशुमन राज, संयुक्त कलेक्टर एसपी मिश्रा, उपखण्ड अधिकारी मझौली आर पी त्रिपाठी, सिहावल प्रिया पाठक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## मनोहर शुगानी ने किया रक्तदान

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** सतना सिन्धु विकास समिति द्वारा लगातार चलाए जा रहे रक्तदान अभियान में जुड़कर निरंतर युवा एवं मातृशक्ति रक्तदान कर रहे हैं उसी उसी कड़ी में गत दिवस सतगुरु साई ईश्वरशाह साहिब जी के नगर आगमन की खुशी में मानवता की सेवा करते समाजसेवी एवं जिए सिंध सेवा संगम के फाउंडर मनोहर शुगानी ने जिला अस्पताल में भर्ती जरुरतमंद को रक्त की सेवा देकर मानव धर्म निभाया।

समिति संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी के कुशल मार्गदर्शन में पिछले कई वर्षों से रक्तदान जीवनदान की अलख ज्योति जलाकर इंसानियत का धर्म निभाते हुए मानवता की सेवा कर रही है एवं अभी तक 6615यूनिट रक्तदान एवं 36 यूनिट प्लेटलेट्स करवाने का एक रिकॉर्ड भी कायम किया है। रक्तदान करवाने मे संजय आहूजा, एवं मनीष सदानी का उल्लेखनीय योगदान रहा। मनोहर के रक्तदान करने पर संस्था के संरक्षक श्री गोपी गेलानी श्रीचंद मनवानी मनोहर डिगवानी अध्यक्ष विनोद गेलानी ज्ञान खटवानी डॉमनीषा सोई डॉक्टर विद्या पांडे, कशिश नागदेव सिमरन होतचंदानी निशा गोयल आभा सिंह रशिम जैन प्रेरणा जादवानी अनामिका सोनी ने मनोहर को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है

# किसानों को ड्रिप स्प्रिंकलर की दी गई सलाह

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** सीधी जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र सीधी एवं कृषि अधिकारियों द्वारा किसानों को आधुनिक सिंचाई तकनीकों, विशेष रूप से ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों को अपनाने की सलाह दी गई। विकसित कृषि संकल्प अभियान में आज पांचवे दिन पहले दल द्वारा रामपुर नैकिन विकासखंड के चंदरेह, शिकारगंज, रैंदूरिया, दूसरे दल द्वारा सिहावल विकासखंड के अमिलिआ, हिनौती तथा तीसरे दल द्वारा कुसमी विकासखंड के भेड़रा, गाजर, कमछ में शिविर किया गया।

वैज्ञानिकों ने बताया कि ड्रिप सिंचाई से पानी की बचत 40-60 प्रतिशत तक होती है, जो सीधी जैसे कम जल उपलब्धता वाले क्षेत्रों के लिए आदर्श है। स्प्रिंकलर प्रणाली दलहन और तिलहन फसलों, जैसे सोयाबीन और अरहर, के लिए उपयुक्त है, जो इस क्षेत्र में प्रमुख हैं। ये तकनीकें फसलों को समान सिंचाई प्रदान करती हैं, जिससे पैदावार बढ़ती है और लागत कम होती है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पाइप स्प्रिंकलर सेट (प्रति हेक्टेयर यूनिट लागत रूपये 19,600) पर सब्सिडी प्रदान की जाती है।

छोटे और सीमांत किसानों को 55 प्रतिशत सब्सिडी (अधिकतम रूपये 12,000 प्रति हेक्टेयर), अन्य श्रेणी के किसानों को 45 प्रतिशत सब्सिडी, और अनुसूचित जाति/जनजाति एवं महिला किसानों को विशेष प्राथमिकता के साथ 55 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाती है। मोबाइल रेन गन (यूनिट लागत रूपये 31,600 प्रति हेक्टेयर) पर सभी श्रेणी के किसानों के लिए 45-55 प्रतिशत सब्सिडी (अधिकतम रूपये 15,000) उपलब्ध है। सब्सिडी राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित होती है, बशर्ते भौतिक सत्यापन में प्रणाली मानकों के अनुरूप हो। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अन्तर्गत कल पहले दल द्वारा रामपुर नैकिन विकासखंड में कपुरी, भरतपुर, बढ़गौना, दूसरे दल द्वारा सिहावल विकासखंड में सिहावल, महुआर, सेमरी तथा तीसरी दल में कुसमी विकासखंड में गुडुआधर, खोखरा, अमगांव में कार्यक्रम का संचालन किया जायेगा।

# 6 महीने से अधिक समय का कोई राजस्व प्रकरण नहीं रहे लंबित-कलेक्टर

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने राजस्व अधिकारियों को 6 महीने से अधिक समय का नामांतरण, सीमांकन सहित कोई भी राजस्व प्रकरण लंबित नहीं रखने के निर्देश दिये हैं। समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में भू-अर्जन के अंतरविभागीय मामलों और राजस्व कार्यों की समीक्षा में कलेक्टर ने अनेक राजस्व अधिकारियों की वेतन काटने और अगले शुक्र वार तक राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गति नहीं लाने पर संबंधित एसडीएम के विरूद्ध कार्यवाही की चेतावनी दी है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, एसडीएम जीतेन्द्र वर्मा, राहुल सिलाडिया, एलआर जांगडे, अधीक्षण यंत्री विद्युत पीके मिश्रा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी, जनपद के सीईओ, नगर पंचायतों के सीएमओ उपस्थित थे।

सोमवार को संपन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में राजस्व की समीक्षा के दौरान 6 महीने से ऊपर के लंबित सीमांकन प्रकरणों की जानकारी ली। कलेक्टर ने रामपुर बघेलान और सज्जनपुर सर्किल की नायब तहसीलदार ममता पटेल के 6 प्रकरण 6 महीने से ऊपर लंबित रहने पर एक हफ्ते का वेतन, तहसीलदार कोटर सुजीत नागेश के 13 प्रकरण 6 माह से ऊपर लंबित रहने पर 7 दिन का वेतन, नायब तहसीलदार चित्रकूट हिमांशु शुक्ला के 5 प्रकरण पर 5 दिन का वेतन, उचेहरा नायब तहसीलदार सौरभ द्विवेदी के 6 प्रकरण होने पर एक सप्ताह का वेतन, बरौंधा नायब तहसीलदार सुदामा कोरी, जसो के यादवेन्द्रमणि त्रिपाठी, हाटी के नायब तहसीलदार राजेश सिंह, नागौद तहसीलदार सौरभ मिश्रा के 6 से अधिक प्रकरण 6 माह से अधिक समय के लंबित रहने पर एक-एक सप्ताह का वेतन काटने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने नागौद तहसील में राजस्व कार्यों का परफारमेंस 0.78 प्रतिशत पाये जाने पर गहरी अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए एसडीएम नागौद को ध्यान देने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि अगले शुक्रवार तक सभी राजस्व अधिकारी राजस्व कार्यों में प्रगति लाये। कम से कम 50 प्रतिशत की उपलब्धि नहीं आने पर शुक्रवार को राजस्व अधिकारियों की बैठक में पुनः समीक्षा कर संबंधित एसडीएम के खिलाफ कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी। राजस्व कार्यों में प्रगति लाने सभी एसडीएम अपने अधीनस्थ तहसीलदार, आर.आई. पटवारियों को सचेत करेंगे।

कलेक्टर ने कहा जिला पर्यटन संवर्धन समिति का गठन और उसकी एक भी बैठक नहीं हुई है। जिला पंचायत इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करें। इसी तरह कलेक्टर ने विभिन्न विभागों और संस्थानों की कलेक्टर की अध्यक्षता में संपन्न बैठकों के पश्चात बैठक की कार्यवाही विवरण (मिनिटस) जारी नहीं किये जाने पर संबंधित अधिकारियों से गहरी अप्रसन्नता प्रकट की। उन्होंने जिला जल स्वच्छता और पेयजल संबंधी बैठक नहीं बुलाने और मिनिटस अब तक जारी नहीं करने पर कार्यपालन यंत्री पीएचई डीएन कनेल को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने जिला प्रबंधक नान पंकज बोरसे को गेहूं खरीदी के लंबित भुगतान और किसानों की संख्या की जानकारी नहीं बता पाने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। आरटीओ संजय श्रीवास्तव को सडक सुरक्षा समिति की बैठकों के मिनिटस जारी करने के निर्देश भी दिये गये। इस प्रकार जिले में 20 प्रोजेक्ट में एक लाख पौधे लग सकेंगे। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत चित्रकूट में लगभग 11 हजार पौधे लगाये जाने है। इसी प्रकार 5 लाख पौधे मंदाकिनी नदी के कैचमेंट एरिया की ग्राम पंचायत क्षेत्र में लगवाये। वन विभाग ने चित्रकूट क्षेत्र में 2.5 लाख पौधे लगाने की प्लानिंग की है। जिला खनि अधिकारी ने बताया कि जिले में 60 माइंस संचालित हो रही है। कलेक्टर ने कहा कि माइंस क्षेत्र में कम से कम 80 हजार पौधे लगवाये और जिन माइंस में जगह नहीं है। उनसे आसपास के किसानों को 5 हजार पौधे दिलवायें। सीमेंट फैक्ट्री एवं अन्य वृहद प्रतिष्ठानों से लगभग 2 लाख पौधो के रोपण का लक्ष्य रखे। इसके अलावा सीएसआर मद से किसानों को पौधे वितरण एवं सुरक्षा जाली इत्यादि की व्यवस्था कराये। कलेक्टर ने खनि अधिकारी एचपी सिंह और सहायक प्रबंधक उद्योग केन्द्र एमएल पाण्डेय को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

## आंगनवाडी कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर रेडी टू इट का वितरण

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** ग्रीष्मकाल में आंगनवाडी केन्द्रों में नियमित रूप से उपस्थित रहने वाले 3 से 6 वर्ष एवं आंगनवाडी के अन्य हितग्राहियों के लिए 1 से 15 जून तक अवकाश संबंधी निर्देश जारी किये गये है। इस दौरान आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं द्वारा घर-घर जाकर 12 दिन का पूरक पोषण आहार रेडी टू इट वितरित किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी मैहर राजेन्द्र बांगरे ने बताया कि केन्द्र में दर्ज 3-6 वर्ष के बच्चे को 12 दिन के लिए 1800 ग्राम, 6 माह से 5 वर्ष के सैम बच्चों को 12 दिन के लिए 1140 ग्राम, 6 माह 3 वर्ष के बच्चों के लिए 2 दिन 300 ग्राम तथा गर्भवती/धात्री माताओं को 2 दिन के लिए 328 ग्राम रेडी टू इट की मात्रा वितरित की जा रही है।


## कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 1982/राजस्व/न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक 02.06.2025

**आवश्यक सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अचल सम्पत्ति के नामांतरण के आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं। उक्त संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो, इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस के अवधि में इस कार्यालय के नामांतरण शाखा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समय अवधि पश्चात् कोई आपत्ति ग्रहण नहीं की जावेगी। तत्पश्चात् नामांतरण की विधिवत् कार्यवाही की जावेगी।

| क्र. | प्रकरण क्रमांक | वार्ड/भवन क्रमांक (भवन की स्थिति) | इन्द्राजी का नाम | नामांतरण ग्रहिता | नामांतरण का आधार |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 444 | 44/1369 चिरहुला, जिला –रीवा (म0प्र0) | श्रीमती गायत्री मालवीय पति श्री लक्ष्मीकांत मालवीय | श्रीमती कांती विश्वकर्मा पति श्री रमेश प्रसाद विश्वकर्मा | क्रय–विक्रय |
| 2 | 433 | 26/एमआईजी 93 प्रधानमंत्री आवास योजना बदरौंध, जिला –रीवा (म0प्र0) | श्रीमती रेनू सिंह पति श्री भूपेन्द्र सिंह | श्री विजयशंकर पाण्डेय पिता श्री रमाशंकर पाण्डेय | क्रय–विक्रय |
| 3 | 440 | 22/80 अमहिया गल्ला मंडी, जिला –रीवा (म0प्र0) | श्रीमती सुमित्रा देवी सेठी पति स्व0 श्री विलायतीलाल सेठी | श्रीमती सुनीता सेठी पति श्री गर्पिल सेठी | पंजीकृत वसीयत |
| 4 | 445 | 12/24 उर्रहट, जिला –रीवा (म0प्र0) | स्व0 श्रीमती शान्ती देवी पति स्व0 श्री रामगोपाल | श्री जितेन्द्र कुमार मिश्रा पिता श्री रामगोपाल मिश्रा | बारिसाना |
| 5 | 441 | 30/107 कटरा, जिला –रीवा (म0प्र0) | श्रीमती जुगेदा बेगम पति मो0 अमीन | श्रीमती रुबीना मसूरी पति मो0 फिरोज | क्रय–विक्रय |

उपायुक्त ( राजस्व )
हेतु आयुक्त
नगर पालिक निगम, रीवा ( मप्र )

# विचार

## रक्षा परियोजनाओं में देरी क्यों?

भारतीय वायुसेना प्रमुख ने 29 मई 2025 को नई दिल्ली में आयोजित एक सभा में रक्षा परियोजनाओं में देरी को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा, ''टाइमलाइन एक बड़ा मुद्दा है। मेरे विचार में एक भी परियोजना ऐसी नहीं है जो समय पर पूरी हुई हो। कई बार हम कांट्रैक्ट साइन करते समय जानते हैं कि यह सिस्टम समय पर नहीं आएगा, फिर भी हम कांट्रैक्ट साइन कर लेते हैं।'' यह बयान न केवल रक्षा क्षेत्र में मौजूदा चुनौतियों को उजागर करता है, बल्कि भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में चल रही प्रक्रिया पर भी सवाल उठाता है। एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने अपने बयान में विशेष रूप से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एच.ए.एल.) द्वारा तेजस एम.के.1ए फाइटर जैट की डिलीवरी में देरी का उल्लेख किया। यह देरी 2021 में हस्ताक्षरित 48,000 करोड़ रुपए के कांट्रैक्ट का हिस्सा है, जिसमें 83 तेजस एम.के.1ए जैट्स की डिलीवरी मार्च 2024 से शुरू होनी थी, लेकिन अभी तक एक भी विमान डिलीवर नहीं हुआ है।

इसके अलावा, उन्होंने तेजस एम.के.2 और उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (ए.एम.सी.ए.) जैसे अन्य महत्वपूर्ण प्रोजैक्ट्स में भी प्रोटोटाइप की कमी और देरी का जिक्र किया। यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ रहा है, विशेष रूप से 'ऑप्रेशन सिंदूर' के बाद, जिसे उन्होंने 'राष्ट्रीय जीत' करार दिया। उनके बयान का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह रक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता को रेखांकित करता है। यह पहली बार नहीं है जब एच.ए.एल. की आलोचना हुई है। फरवरी 2025 में, एयरो इंडिया 2025 के दौरान, एयर चीफ मार्शल सिंह ने एच.ए.एल. के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था, कि मुझे एच.ए.एल. पर भरोसा नहीं है, जो बहुत गलत बात है। यह बयान एक अनौपचारिक बातचीत में रिकॉर्ड हुआ था, लेकिन इसने रक्षा उद्योग में गहरे मुद्दों को उजागर किया।

रक्षा परियोजनाओं में देरी के कई कारण हैं, जिनमें से कुछ संरचनात्मक और कुछ प्रबंधन से संबंधित हैं। तेजस एम.के.1ए की डिलीवरी में देरी का एक प्रमुख कारण जनरल इलैक्ट्रिक से इंजनों की धीमी आपूर्ति है। वैश्विक आपूर्त श्रृंखला में समस्याएं, विशेष रूप से 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद भारत पर लगे प्रतिबंधों ने एच.ए.एल. की उत्पादन क्षमता को प्रभावित किया है। सिंह ने एच.ए.एल. के 'मिशन मोड' में न होने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि एच.ए.एल. के भीतर लोग अपने-अपने साइलो में काम करते हैं, जिससे समग्र तस्वीर पर ध्यान नहीं दिया जाता। यह संगठनात्मक अक्षमता और समन्वय की कमी का संकेत है। सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि कई बार कांट्रैक्ट साइन करते समय ही यह स्पष्ट हो जाता है कि समय सीमा अवास्तविक है। फिर भी, कांट्रैक्ट साइन कर लिए जाते हैं, जिससे प्रक्रिया शुरू से ही खराब हो जाती है।

यह एक गहरी सांस्कृतिक समस्या को दर्शाता है, जहां जवाबदेही की कमी है। हालांकि सरकार ने ए.एम.सी.ए. जैसे प्रोजैक्ट्स में निजी क्षेत्र की भागीदारी को मंजूरी दी है, लेकिन अभी तक रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भूमिका सीमित रही है।

# कोरोना की रतार ने फिर बढ़ाई चिंता

**कोरोना की रतार फिर पहले सरीखे गति पकड़ रही है। देश-दुनिया में चिंता है। भारत में हर दिन नई-नई आती सूचनाएं डरा रही हैं। उंगलियों पर गिने जाने वाले आंकड़े हते भर में ही हजारों में पहुंच गए। मरने वालों की संया में भी हो रही वृध्दि अलग डराती है। कहां 19 मई तक आधिकारिक तौर पर 257 मामले थे। इस रविवार सुबह तक यह आंकड़े 3395 पार गए हैं। मरने वालों की संया भी हर रोज बढ़ रही है। सबसे ज्यादा केरल में 1336 सक्रिय मामले हैं। वहीं इससे होने वाली मौतों की शुरुआत भी हो चुकी है जो अभी बहुत ही कम है। लेकिन एक दिन में 685 मामले दर्ज होना, बड़ा इशारा है। महाराष्ट्र में 467 दिल्ली में 375 गुजरात में 265, कर्नाटक में 234, पश्चिम बंगाल में 205, तमिलनाडु में 185 मामले आए हैं।**

हांगकांग और सिंगापुर में यह बहुत तेजी से फैलते कोरोना ने भारत में जिस तरह पैर पसारा वो चिंतनीय है। इसके नए वैरिएंट जेएन-1 का प्रकोप जारी है जो पहली बार अगस्त 2023 में मिला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे दिसंबर 2023 में ही 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित कर साफ किया था कि यह ओमीक्रॉन बी.ए.2.86 का वंशज है। इसमें 30 के लगभग म्यूटेशन पाए गए जिनमें एल.एफ.7 और एन.बी.1.8 की संख्या ज्यादा थी। कोरोना की यह नई लहर साउथ-ईस्ट एशिया में कुछ ज्यादा ही असर दिखा रही है। सिंगापुर, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में कोविड के मामले बहुत ही तेजी से बढ़ने के बाद अब भारत में रफ्तार पकड़ रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसका कारण लोगों के शरीर में एंटीबॉडी का कम हो जाना भी है। भारत में भी ऐसी संभावनाओं से इंकार नहीं है।

इतना तो लगने लगा है कि सप्ताह भर में ही बढ़े संक्रमण के मामलों में जो उछाल आया है वो चिंताजनक है। चीन से भी छन-छन कर जो निकल रहा है उससे इतना तो पता चल गया कि वहां भी बीते एक महीने में कोरोना के मामलों में काफी तेजी आई है। लेकिन दुनिया को कोरोना देकर भी छुपाने और तबाही की कगार पर पहुंचाने के बाद चीन से जितने सच सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा।

इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वो ज्यादा हैं जो या तो कोमर्बिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियाँ होती हैं जिसके कई कारण हो सकते हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोर्बिटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं।

लेकिन प्रभावित हर आयु वर्ग के लोग हो रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वालों बुजुर्गों, कोमोर्बिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है।

केरल के बाद महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में भी कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ना चिंताजनक है। उधर अब हॉन्गकॉन्ग के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ का वो बयान सामने है जिसमें उन्होंने माना कि कोरोना वायरस के मामले वहां तेजी से बढ़ रहे हैं। सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने की संख्या अभी साल के महज पाँचवें महीने में ही उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। जबकि चीन में श्वांस संबंधी बीमारियों की जांच करवाने वाले मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दो गुने होना चिंताजनक है। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। साथ ही चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर जल्द ही तेज भी हो सकती है। चीन, थाईलैंड और हांगकांग में वहां की सरकारें अलर्ट पर हैं।

साउथ-ईस्ट एशिया के हालात देखते हुए भारत भी सतर्क है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक यानी डीजीएचएस ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण, आपदा प्रबंधन सेल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञों के साथ बैठकें कर चुके हैं। देश की बड़ी आबादी के दृष्टिगत बढ़ती संख्या कहीं न कहीं चिंता बढ़ाने वाली है। अस्पतालों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों और श्वसन संक्रमण के गंभीर मामलों की निगरानी करने के लिए कहा गया है। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से निगरानी रख सतर्क और सक्रिय होकर सुनिश्चित कर रहा है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए उचित उपाय किए जाएं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरीके से तैयार है। स्वास्थ्य मंत्रालय पूरी तरीके से सतर्कता के साथ हर परिस्थिति पर नजर रख रहा है। हां, देश भर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि सतर्क रहें, सतर्क करें। ऑक्सीजन और वैक्सीन के इंतजाम पर्याप्त रखे जाएं। ईश्वर करे कि वो स्थिति न आए जिसे हमने देखा, भोगा है। लेकिन पुराने कड़ने अनुभव, काली यादें और कोरोना के कुछ साल का दौर कितना भयावह था, याद कर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। याद कीजिए कैसे उंगलियों पर गिनने लायक कोरोना के मामले पहले दर्जन से सैकड़ा, फिर हजार और उसके बाद लाखों में पहुंचे। अच्छा हो इस बार इससे शुरू में ही निपट लिया जाए जिसका तरीका हमें अब पता है। यकीनन एक बार फिर वो दौर आ गया है जब 2019-20 जैसे अहतियात और मास्क की जरूरत आन पड़ी है। अच्छा हो कि अभी से सचेत हो जाएं। इस बार ज्यादा चिंता की जरूरत वैसी नहीं है जैसी पिछले बार थी। चूंकि हमने कोरोना से बचना, लड़ना और निपटना सीख लिया है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि हम लापरवाह हो जाएं। इस बार भी इस वायरस को चुनौती देने के लिए फिर पुरानी और एक तरह से अब परंपरागत कही गतिविधियों यानी मास्क, दो गज की दूरी, हाथ धोने जैसे तरीकों को अपनाना होगा। इस सच्चाई को मानकर चलना होगा कि अब हमें अगले कुछ वर्षों तक कोरोना के साथ ही जीना होगा इसलिए इससे निपटना भी उनता ही जरूरी होगा। बस तो जरूरत है कि सतर्क रहें। जरा से संदेह पर चिकित्सकीय परामर्श में कोताही न करें और फिर पनप रहे कोरोना के बहुरूपिया वायरस को चुनौती दें।

# बदलते दौर में अनिवार्यता बनती साइकिल

एक समय ऐसा था, जब लोग मीलों दूर का सफर भी पैदल अथवा बैलगाड़ियों के माध्यम से कई-कई दिनों में पूरा किया करते थे। साइकिल के आविष्कार ने लोगों की दुनिया ही बदल डाली, जिसने लोगों के लिए मीलों दूर का सफर भी आसान बना दिया था। कुछ दशक पूर्व तो बहुत से छात्र स्कूल तक पहुंचने के लिए भी मीलों दूर का सफर साइकिल से ही तय किया करते थे। हालांकि वह ऐसा दौर था, जब साइकिल को आमतौर पर निर्धनता का प्रतीक समझा जाता था और साइकिल को गरीब तथा मध्यम वर्ग के यातायात का ही अहम हिस्सा माना जाता था। तब खासकर मजदूर वर्ग के लोग, दूध वाले, स्कूल जाने वाले छात्र इत्यादि ही साइकिल पर दिखते थे। साइकिल की कीमत तब ज्यादा नहीं होती थी और प्राय: एक ही जैसी साइकिलें बाजार में मिलती थी लेकिन समय के साथ बदलती तकनीक के दौर में साइकिलें भी हाईटैक होती गई और आज बाजार में कुछ हजार से लेकर लाखों रुपये तक की साइकिलें उपलब्ध हैं।

समय के साथ साइकिल की उपयोगिता और महत्व भी बदलता गया है और आज के आधुनिक दौर में साइकिलें अधिकांशत: व्यायाम अथवा शारीरिक फिटनेस के तौर पर प्रयोग की जाती हैं। आज के ज़माने में लोग घंटों साइकिल चालकर इससे सेहत और वातावरण को पहुंचने वाले फायदों के बारे में जागरुकता फैलाते हैं। हालांकि यूरोप, डेनमार्क, नीदरलैंड इत्यादि दुनिया के कई हिस्से आज भी ऐसे हैं, जहां साइकिल के जरिये ही एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाया जाता है। साइकिल का दौर 1960 से लेकर 1990 के बीच काफी अच्छा चला लेकिन उसके बाद समय बदलता गया और साइकिल का चलन भी कम होता गया। बीते कुछ वर्षों में पर्यावण की महत्ता और साइकिल चलाने से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी लाभ को देखते हुए लोग साइकिल की ओर आकर्षित हुए हैं और यही कारण है कि अब केवल भारत ही नहीं बल्कि जापान, इंग्लैंड सहित कई विकसित देशों में भी साइकिलों का उपयोग बढ़ रहा है। भारत का साइकिल उद्योग आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और भारत साइकिल का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है।

साइकिल पर्यावरण के लिए यातायात का सबसे उत्तम साधन है क्योंकि इसके उपयोग से डीजल-पैट्रोल का दोहन कम होने के साथ ही प्रदूषण स्तर भी कम होता है, साथ ही शरीर को स्वस्थ रखने में भी साइकिल महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साइकिल चलाने से न केवल पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है बल्कि यह व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास में भी सहायक होता है। यही कारण है कि साइकिल की विविधता, मौलिकता और परिवहन के एक व्यापक और सहज साधन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 3 जून को 'विश्व साइकिल दिवस' मनाया जाता है। अप्रैल 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने हर साल 3 जून को यह दिवस मनाने की घोषणा साइकिल सवारी से मिलने वाले स्वास्थ्य, पर्यावरण और आवागमन के लिए सबसे सस्ता साधन इत्यादि को देखते हुए की थी।

दरअसल साइकिल का महत्व धीरे-धीरे घटता जा रहा था, तकनीक के विकास के साथ ही पैट्रोल-डीजल इत्यादि से चलने वाली गाड़ियों का उपयोग बढ़ने लगा और लोगों ने समय की बचत तथा सुविधा के लिए साइकिल चलाना बेहद कम कर दिया। इसीलिए साइकिल के उपयोग और जरूरत के बारे में बच्चों और अन्य लोगों को

जागरूक करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व साइकिल दिवस मनाने की जरूरत महसूस की गई। संयुक्त राष्ट्र संघ ने पर्यावरण सुरक्षा को भी साइकिल चलन को बढ़ावा देने का अहम उद्देश्य माना है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार साइकिल दिवस मानव प्रगति, उन्नति, स्थिरता, सामाजिक समावेश और शांति की संस्कृति के प्रतीक के रूप मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत को लेकर अमेरिका के मोंटगोमरी कॉलेज के प्रोफेसर लेसजेक सिबिल्स्की ने एक अभियान चलाया था, जिसका समर्थन तुर्कमेनिस्तान और 56 अन्य देशों ने किया था। सिबिल्सकी ने ही साइकिल दिवस मनाए जाने का प्रस्ताव दिया था, जिसके बाद सिबिल्सकी और उनके साथियों द्वारा उसका प्रचार-प्रसार किया गया।

साइकिल यातायात का ऐसा साधन है, जो वायु प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि इसे चलाने के लिए पैट्रोल, डीजल या सीएनजी जैसे किसी ईंधन की जरूरत नहीं पड़ती। साइकिल चलाने से अच्छा व्यायाम हो जाता है, जिससे वजन कम करने से लेकर मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। साइकिल चलाना एक प्रकार की एरोबिक एक्सरसाइज है, जिससे शरीर को चुस्त-दुरूस्त रखने, पतला होने और मांसपेशियों को टोन करने में मदद मिलती है। विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाने वाले व्यक्ति को कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह जैसी भयानक बीमारियों का जोखिम कम होता है और यदि कोई व्यक्ति प्रकृति के करीब साइकिल चलाता है तो यह उसे तरोताजा रखने के साथ-साथ उच्च रक्तचाप जैसी समस्या को भी दूर रखने में मददगार है। साइकिल चलाने से मूड अच्छा होने में भी मदद मिलती है। कई अध्ययनों में यह तथ्य सामने आया है कि प्रतिदिन आधा घंटा साइकिल चलाने से ही हम मोटापा, हृदय रोग, मानसिक बीमारी, मधुमेह, गठिया इत्यादि कई बीमारियों से बच सकते हैं। चिकित्सकों के मुताबिक उम्र बढ़ने के साथ घुटनों की समस्या नहीं हो, इसके लिए प्रतिदिन साइकलिंग करनी चाहिए, जिससे जोड़ों में किसी प्रकार का दर्द नहीं होगा।

साइकिल चलाने से न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है बल्कि मस्तिष्क अधिक सक्रिय रहता है, ब्रेन पावर बढ़ती है। विशेषज्ञों का मानना है कि साइकिल चलाने से 15 से 20 प्रतिशत अधिक दिमाग सक्रिय होता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक साइकलिंग करने से इम्यून सिस्टम तो अच्छा होता ही है, साथ ही इम्यून सेल्स भी एक्टिव हो जाते हैं, जिससे विभिन्न बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

### भीषण गर्मी में राहत: पीएचई विभाग कर रहा हैंडपंपों की मरम्मत

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।** जिले में जून की भीषण गर्मी और जल संकट के इस दौर में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हैंडपंपों के संधारण और मरम्मत का कार्य तेजी से किया जा रहा है। गर्मियों की तीव्र धूप और जल की बढ़ती मांग को देखते हुए विभाग ने जिले के विभिन्न गांवों में खराब और बंद पड़े हैंडपंपों की मरम्मत कर ग्रामीणों को राहत पहुंचाना शुरू कर दिया है।

इसी क्रम में जिला के विकासखंड मनेंद्रगढ़ स्थित ग्राम पंचायत बिरौरीडांड में पंचायत भवन के पास स्थित हैंडपंप की मरम्मत कर उसे पुनः चालू किया गया। विभाग के कर्मचारियों द्वारा त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा पुनः प्राप्त हो सकी, जिससे गर्मी के इस कठिन समय में बड़ी राहत मिली है। इस पहल से यह स्पष्ट होता है कि प्रशासन ग्रामीण जनता की आवश्यकताओं के प्रति सजग और तत्पर है।

### जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक हुई संपन्न

# कलेक्टर की अध्यक्षता में विकास कार्यों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।** जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, भरतपुर-सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह, चिरमिरी महापौर श्री रामनरेश राय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह, नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और जिला अधिकारियों की उपस्थिति रही।

बैठक में कुल 261 कार्यों को प्रस्तावित किया गया, जिनमें उच्च प्राथमिकता के 181 तथा अन्य प्राथमिकता के 80 कार्य शामिल हैं। इन कार्यों पर लगभग 2,712.43 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जाएगी। बैठक में उच्च प्राथमिकता के तहत पेयजल आपूर्ति से संबंधित 20 कार्यों को स्वीकृति दी गई, जिनमें जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र एवं कन्या छात्रावासों में ओएचटी मोटर, सोलर पंप, नलकूप खनन, पाइपलाइन स्थापना जैसे कार्य कराए जाएंगे। स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में 9 कार्यों को स्वीकृत किया गया है, जिनमें पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी की संविदा अवधि में वृद्धि, इलेक्ट्रिकल केबल व पैनल इंस्टॉलेशन, लैब, टेक्नीशियन, दंत चिकित्सक, सोलर पावर प्लांट तथा डॉर्मेट्री निर्माण जैसे कार्य सम्मिलित हैं।

पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के लिए 2 कार्यों को मंजूरी दी गई है जबकि सतत् जीविकोपार्जन के लिए 7 कार्यों को स्वीकृत किया गया है। स्वच्छता क्षेत्र के 10 कार्यों में सामुदायिक भवन, शौचालय, बिजली कार्य, जीर्णोद्धार, महतारी सदन और एसबीएम ग्रामीण पेयजल व्यवस्था जैसी योजनाएं सम्मिलित हैं। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए 28 कार्यों की योजना बनाई गई है, जिनमें मनरेगा के तहत डबरी निर्माण, सामुदायिक मुर्गी पालन, बकरी पालन, सामुदायिक कुआं निर्माण, सामुदायिक बकरी शेड, सूअर पालन केंद्र, पोल्ट्री शेड, बकरी आश्रय शेड, चेक डेम, स्टॉप डेम की मरम्मत तथा पशु संवर्धन के अंतर्गत कृत्रिम गर्भाधान हेतु तरल नत्रजन एवं सीमेन स्ट्रॉ जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

महिला एवं बाल कल्याण के अंतर्गत 2 कार्य योजनाएं बनाई गई हैं, जिनमें स्वयं के भवन में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में बिजली व्यवस्था और महिला क्लस्टर संगठन हेतु सामुदायिक भवन निर्माण का कार्य सम्मिलित है। कौशल विकास एवं रोजगार के लिए 1 कार्य को स्वीकृति दी गई है। शिक्षा विभाग के लिए 102 कार्ययोजनाएं प्रस्तावित की गई हैं जिनमें प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शालाओं में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, कक्ष मरम्मत, शौचालय निर्माण, कॉलेज व स्कूलों की छज्जा एवं खिड़कियों की विशेष मरम्मत, जीर्णोद्धार, पीएलसी बैठक कक्ष, शिक्षकों का प्रशिक्षण, कंप्यूटर कक्ष एवं लैब टेबल की स्थापना जैसी योजनाएं शामिल हैं।

अन्य प्राथमिकता कार्यों के अंतर्गत ऊर्जा और जल विभाजक विकास के लिए 21 कार्यों की योजना है, जिसमें आईटीआई भवन और बालक छात्रावासों में रिवायरिंग, विद्युतीकरण, इन्वर्टर प्रदाय, स्थापना निर्माण, एरिया लाइटिंग, नेटवर्किंग और रिचार्जेबल एलईडी शामिल हैं। सिंचाई के लिए 12 कार्यों की योजना बनाई गई है। जिसमें नालों में चेक डैम, पक्के चेक डेम और एनीकट निर्माण का समावेश किया गया है। भौतिक अधोसंरचना के लिए 46 कार्यों की योजना में धान खरीदी केंद्रों पर अतिरिक्त कक्ष निर्माण, शालाओं में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, सिटी परियर लाइब्रेरी, शेड, साइकिल व कार स्टैण्ड, गोदामों का जीर्णोद्धार, मीटिंग हॉल, वीडियो कॉन्फ्रेंस, चेन लिंक फेंसिंग, और गोदाम निर्माण शामिल हैं।

प्रशासनिक व्यवस्था सुधार हेतु भी विशेष कार्ययोजना बनाई गई है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जल संसाधन विभाग को निर्देशित किया कि बारिश के बाद जलाशयों में जल प्रबंधन के व्यापक उपाय सुनिश्चित किए जाएं ताकि फसलों के लिए जल की उपलब्धता बनी रहे। उन्होंने स्कूलों के युक्तियुक्तिकरण की प्रक्रिया को निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने, विद्युत विभाग को लो वोल्टेज की समस्या के निराकरण हेतु विस्तार की योजना तैयार करने और एसईसीएल क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने आंगनबाड़ी और शिक्षा विभाग के भवनों का भौतिक सत्यापन कर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को जिला भ्रमण कर जनमानस की समस्याओं को सुनकर उनके निराकरण के निर्देश दिए और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे अपने क्षेत्रों की समस्याएं प्रशासन तक पहुंचाएं। भरतपुर-सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह ने भरतपुर क्षेत्र में हो रही अवैध वनों की कटाई पर रोक लगाने के निर्देश दिए तथा मुख्यमंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों को शीघ्र पूर्ण करने को कहा।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि में हो रही गड़बड़ी को जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में जिले के जिला सहकारी बैंक में किसानों के साथ हो रहे गड़बड़ी को भी जांच करने के लिए निर्देशित किया है। बैठक में जिला खनिज संस्थान न्यास के सदस्यों द्वारा भी आवश्यक सुझाव प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सुझावों को अमल में लाकर जिला खनिज संस्थान न्यास की राशि का उपयोग नियमानुसार जिले के सर्वांगीण विकास में किया जाएगा।

इस अवसर पर नगर पंचायत नई लेदरी के अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सिंह राणा, जिला पंचायत सदस्य श्री रामजीत भगत, श्रीमती अनीता सिंह, जनपद सदस्य श्रीमती असमेद सोनवानी, श्री रमा शंकर सिंह आयाम, सरपंच श्री प्रेमनारायण सिंह, श्रीमती मालती सिंह, श्रीमती सुनीता सिंह, श्रीमती सावित्री सिंह, श्री रामलाल सिंह, श्री नरेन्द्र सिंह, श्री संत कुमार, स्टोन क्रशर से श्री कमलेश गुप्ता, श्री दुर्गेश पाण्डेय, श्री सुरेश श्रीवास्तव सहित पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, जिला अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

## रीवा/सतना की खबरें

### मुख्यमंत्री के दौरे की सभी तैयारियाँ समय रहते पूरी करने के निर्देश

**मीडिया ऑडीटर, रीवा(निप्र)।** कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों निराकरण करें। प्रकरणों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण करके विभाग की ग्रेडिंग सुधारें। ग्रेडिंग में सी और डी श्रेणी में रहने वाले विभागों के अधिकारियों पर कार्यवाही की जाएगी। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में भी अभी 1694 आवेदन लंबित हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक संचालक हथकरघा, अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल तथा जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग लंबित प्रकरणों का तीन दिवस में निराकरण करें। जिला शिक्षा अधिकारी तीन दिवस में लंबित प्रकरणों का निराकरण करके विभाग को ए ग्रेड में ले जाएं। कलेक्टर ने कहा कि 4 जून को गंगेव में स्वसहायता समूह सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शामिल होंगे। मुख्यमंत्री जी के दौरे के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी दे दी गई है। सभी अधिकारी दौरे की तैयारियाँ समय पर पूरी कर लें। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग हेलीपैड निर्माण तथा सभास्थल में बेरिकेडिंग का कार्य आज ही पूरा करा दें। कलेक्टर ने अधिकारियों को सम्मेलन में आने वालों की बैठक व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग, पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई, मंच व्यवस्था, साउंड सिस्टम, बिजली की आपूर्ति तथा सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना के अपात्र और मृत हितग्राहियों की सूची ग्राम पंचायतवार उपलब्ध करा दी गई है। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दो दिवस में सभी अपात्र व्यक्तियों के नाम पोर्टल से पृथक कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। हितग्राहियों के समग्र ई केवाईसी की प्रगति भी संतोषजनक नहीं है। रोजगार सहायकों के माध्यम से सात दिवस में शत-प्रतिशत ई केवाईसी सुनिश्चित करें। जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस तथा श्रम पदाधिकारी सभी विकासखण्डों में ग्राम पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों की बैठक लेकर उन्हें विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन और ई केवाईसी के संबंध में प्रशिक्षण दें। कलेक्टर ने जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग को छात्रावासों की साफ-सफाई और सुधार के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि छात्रावास की प्रत्येक सीट पर विद्यार्थी का प्रवेश सुनिश्चित करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आयुष्मान कार्ड का कवरेज बढ़ाएं। सभी एसडीएम वनाधिकार अधिनियम के तहत ग्राम स्तर और खण्ड स्तर की समितियों की बैठक कराकर शेष प्रकरणों का निराकरण करके प्रतिवेदन 10 जून तक जिला स्तरीय समिति को प्रस्तुत करें। बैठक में कलेक्टर ने स्वामित्व योजना तथा नलजल योजनाओं से स्कूल एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में पानी की आपूर्ति के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में स्वीकृत जल संरक्षण के सभी कार्य 10 जून तक अनिवार्य रूप से पूरे कराएं। जल संरक्षण की सभी गतिविधियों की अच्छी फोटोग्राफ के साथ जनसम्पर्क कार्यालय के माध्यम से प्रचार-प्रसार कराएं। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आदर्श ग्राम योजना में आवंटित राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र दो दिवस में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। बैठक में आपदा प्रबंधन के लिए की जा रही तैयारियों की भी समीक्षा की गई। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

### बाढ़ से निपटने की सभी तैयारियाँ तत्काल शुरू कर दें - कलेक्टर

**मीडिया ऑडीटर, रीवा(निप्र)।** कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि इस वर्ष मानसून के समय से एक सप्ताह पहले पहुंचने तथा अच्छी वर्षा का अनुमान मौसम विभाग द्वारा लगाया गया है। बाढ़ तथा अतिवृष्टि से राहत और बचाव की तैयारियाँ तत्काल शुरू कर दें। जल संसाधन विभाग के अधिकारी त्योंथर तथा जिला स्तर में कंट्रोल रूम बनाकर बाणसागर परियोजना तथा उत्तरप्रदेश के मेजा, सिरसी एवं अदवा बांधों के कंट्रोल रूम से सतत संपर्क में रहें। एसडीएम त्योंथर तथा जवा बाढ़ से प्रभावित होने वाले 120 गांवों में राहत शिविर के लिए उचित स्थलों का चिन्हांकन कर लें। बाढ़ की स्थिति में गोताखोर दल, नाव चलाने वाले, जेसीबी तथा क्रेन चलाने वाले आपरेटर आदि की सूची बनाकर उनके फोन नम्बर कंट्रोल रूम को उपलब्ध करा दें। पंचायत स्तर पर भी बाढ़ राहत और बचाव के उचित प्रबंध कर लें। अतिवृष्टि अथवा बाढ़ की सूचना मिलने पर कंट्रोल रूम तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचना दें। कंट्रोल रूम में पंजी संधारित कर महत्वपूर्ण सूचनाएं प्रतिदिन दर्ज करें। कलेक्टर ने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आपदा प्रबंधन के लिए जिला स्तर पर टीम गठित कर दें। सभी बीएमओ के पास पर्याप्त दवाएं उपलब्ध करा दें। उप संचालक पशुपालन पशुओं के लिए चारा-भूसा एवं उपचार की व्यवस्था कर लें। बाढ़ में मृत पशुओं के निष्पादन की भी व्यवस्था करें। आयुक्त नगर निगम तथा सभी सीएमओ शहरी क्षेत्र के नालों एवं नालियों की साफ-सफाई तत्काल कराएं। रीवा में बांसघाट, निपनिया, पुष्पराजनगर, बिछिया तथा तरहटी मोहल्लों में बाढ़ का प्रकोप होने पर राहत और बचाव की समुचित व्यवस्था करें। सभी एसडीएम अपने अनुभाग में आपदा प्रबंधन की बैठक करके आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करें। जिला कमाण्डेंट होमगार्ड्स बाढ़ से बचाव के लिए नाव, रस्सी, टार्च तथा अन्य उपकरणों की तत्काल व्यवस्था कर लें। त्योंथर क्षेत्र में आपदा प्रबंधन के लिए लोगों को प्रशिक्षण देकर जागरूक करें। एसडीएम सिरमौर बकिया बराज और टमस बराज के अधिकारियों से संपर्क में रहकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर ने बाढ़ की स्थिति में बिजली की वैकल्पिक आपूर्ति, वाहनों की व्यवस्था, खाद्यान्न तथा पेयजल की आपूर्ति एवं उपचार व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय कंट्रोल रूम में 24 घंटे कर्मचारी तैनात रहें। कंट्रोल रूम को शीघ्र सक्रिय करें। अतिवृष्टि की स्थिति में नदियों और बांधों के जल स्तर से संबंधित सूचनाओं को हर घंटे आदान-प्रदान सुनिश्चित करें। उत्तरप्रदेश के जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से भी सतत संपर्क में रहें। बांधों से पानी छोड़े जाने की स्थिति में निचले इलाकों को समय पर सूचना दें। सभी एसडीएम बाढ़ से बचाव तथा राहत कार्य में स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजनों के सहयोग के लिए भी सचेत रहें। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, सभी एसडीएम जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

### ज्ञानोदय स्कूल में प्रवेश का अवसर

**मीडिया ऑडीटर, रीवा(निप्र)।** आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय रीवा में कक्षा 11वीं में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। शैक्षणिक सत्र 2025-2026 के लिए गणित संकाय, जीव विज्ञान संकाय तथा वाणिज्य संकाय में प्रवेश दिया जा रहा है। इनमें अनुसूचित जाति बालक और अनुसूचित जाति बालिकाओं के लिए प्रवेश का अवसर है। वर्ष 2024-25 में कक्षा दसवीं की परीक्षा न्यूनतम 60 प्रतिशत अधिक अंकों से उत्तीर्ण करने वाले अनुसूचित जाति के विद्यार्थी प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं।

### हितग्राहियों का ई केवाईसी हुआ अपडेट

**मीडिया ऑडीटर, रीवा(निप्र)।** खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित सभी हितग्राहियों के ई केवाईसी अपडेशन का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने बताया कि जिले में खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित परिवारों के 12 लाख 48 हजार 209 सदस्य राशन मित्र पोर्टल पर दर्ज हैं। इन सभी सदस्यों का ई केवाईसी दर्ज कराने तथा मृतक एवं स्थाई रूप से पलायन कर गए व्यक्तियों के नाम पृथक करने की कार्यवाही 31 मई तक की गई। केवाईसी कराने के लिए उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन पीओएस मशीन के माध्यम से हितग्राहियों का ई केवाईसी अपडेट कर रहे हैं। ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक और नगरीय क्षेत्रों में वार्ड प्रभारी भी ई केवाईसी अपडेट कर रहे हैं।

## सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में संविदा पद पर मंगाये गये आवेदन

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।** सैनिक स्कूल अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) (सैनिक स्कूल सोसायटी, नई दिल्ली के तत्वावधान में तथा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध) (फोन नं.-07774-261609, ई-मेल ssambikapur@sainikschoolsociety-in) में संविदा पद पर रिक्तियां (नोट-यह पद राज्य या केंद्र सरकार की नौकरी नहीं है) निम्नलिखित संविदा पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

अनारक्षित एक पद चिकित्सा अधिकारी जिसकी आयु (01 जुलाई 25 को 18-50 वर्ष) हो। मासिक पारिश्रमिक (समेकित) 82,305 रूपये जिसकी योग्यता मान्यता प्राप्त संस्थान से एमबीबीएस की डिग्री और मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण हो। तथा अनुसूचित जनजाति हेतु एक पद नर्सिंग सिस्टर महिला जिसकी आयु (01 जुलाई 25 को 18-50 वर्ष), मासिक पारिश्रमिक (समेकित) 39,525 रुपये है। जिसकी योग्यता नर्सिंग में डिप्लोमा/डिग्री होना अनिवार्य है। उपरोक्त पदों के लिए चयन परीक्षा की तिथि 30 जून 2025 है, आवश्यक योग्यता किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से एमबीबीएस डिग्री तथा मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण। नर्सिंग में डिप्लोमा/डिग्री। किराया मुक्त आवास (उपलब्धता के अधीन) प्रदान किया जाएगा।

सत्र के दौरान कैडेट्स के मेस में कैडेट्स के साथ मुफ्त भोजन प्रदान किया जाएगा। कोई अन्य भत्ता लागू नहीं होगा। संविदा नियुक्ति की अवधि नियुक्ति की तिथि से एक वर्ष होगी। सभी पदों के लिए अवकाश वेतन लागू नहीं होगा। आवेदन पत्र, भर्ती प्रक्रिया आदि के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया स्कूल की वेबसाइट .www-sainikschoolambikapur-org-in देखें। स्कूल की वेबसाइट से डाउनलोड किए गए आवेदन पत्र पर ही विचार किया जाएगा। आवेदकों को आवेदन पत्र में अपना ई-मेल आईडी और संपर्क नंबर स्पष्ट रूप से उल्लेख करना होगा। योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित आवेदन पत्र के साथ 300 रुपए का पंजीकरण शुल्क (वापसी योग्य नहीं) तथा प्रमाण पत्रों/प्रशंसापत्रों की स्व-सत्यापित प्रतियां जमा कर सकते हैं। पंजीकरण शुल्क केवल आरटीजीएस/एनईएफटी/अन्य डिजिटल भुगतान माध्यमों (एसबीआई बैंक खाता संख्या 37923027067, आईएफएससी कोड एसबीआईएन (0000310) के माध्यम से प्रधानाचार्य, सैनिक स्कूल अंबिकापुर को भेजा जाना है। संबंधित क्षेत्र में उच्च योग्यता/कौशल और अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी।

निर्धारित आवेदन पत्र और सभी संबंधित दस्तावेज इस विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 21 दिनों के भीतर इस कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। विद्यालय किसी भी डाक विलम्ब के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। रिक्तियों की संख्या और प्रकृति में परिवर्तन हो सकता है। विद्यालय प्रशासन किसी भी समय किसी भी पद के लिए भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने या अधूरे आवेदनों को बिना सूचना के अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

## केल्हारी वनधन केन्द्र में भू-जल संरक्षण अभियान का आयोजन

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।** आज जिले के जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ के ग्राम पंचायत केल्हारी क्लस्टर वनधन विकास केंद्र में "मोर गांव मोर पानी" महाअभियान के तहत् एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत केल्हारी, तिलोखंन, घाघरा, पसौरी, चरवाही, डोडकी, बुलाकीटोला, केलुआ, केवटी, मनवारी, पहाड़हंसवाही, बिछियाटोला, डुगला, रोझि, डिहुली, बिरौरीडाड, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, बिहान टीम के पीआरआई सदस्य सीएलएफ कैडर्स उपस्थित रहे।

जिसमें जनप्रतिनिधि मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष, जनपद सदस्य, सरपंच उपस्थित रहे। मास्टर ट्रेनर के द्वारा "मोर गांव मोर पानी" महाअभियान की प्रशिक्षण दिया गया एवं जल संरक्षण व संवर्धन हेतु "जल संकल्प" कराया गया। जिसमें 108 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

## 219 छात्राओं वाला हायर सेकेंडरी स्कूल होगा बंद

**मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)।** सरगुजा जिले में 219 दर्ज संख्या वाले हायर सेकेंडरी स्कूल को भी युक्तियुक्तकरण में बंद किया जा रहा है। साथ ही प्राइमरी स्कूल करजी और मिडिल स्कूल करजी का युक्तियुक्तकरण कर सेटअप को कम किया जा रहा है। सालों पुराने स्कूलों को बंद किए जाने से लोग आक्रोशित हैं।

कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता के नेतृत्व में करजी के लोग ष्ठश्वह्ल कार्यालय पहुंचे। स्कूल को बंद करने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है। स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण में सरगुजा जिले के करजी में गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल को बंद करने का निर्णय लिया गया है। इसे ब्वायज हायर सेकेंडरी स्कूल में मर्ज किया जा रहा है। गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल के सभी शिक्षकों को अतिशेष घोषित कर दिया गया है। वहीं, मिडिल स्कूल और प्राइमरी स्कूल को भी हायर सेकेंडरी के साथ मर्ज किया जा रहा है। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा कि, करीब 25 साल से गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल का संचालन किया जा रहा है।

## मनेंद्रगढ़ में घर के बाहर खेल रही 6 साल की बच्ची का किडनैप कर रेप

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।** छत्तीसगढ़ के एमसीबी जिले में रविवार शाम को 6 साल की बच्ची को किडनैप कर युवक ने रेप किया है। युवक उसे अपने साथ ले गया, फिर जाकर जंगल किनारे छोड़कर भाग गया। जिसे करीब 7 घंटे बाद बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अपहरण का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।

जानकारी के मुताबिक, घटना मनेंद्रगढ़ कोतवाली थाना क्षेत्र के चैनपुर गांव की है। रविवार शाम घर के बाहर बच्ची अपनी बड़ी बहन के साथ मैदान में खेल रही थी। इसी दौरान बलरामपुर जिले के राजपुर स्थित सिंचोरा निवासी जनक राजा उर्फ गदे (40) साइकिल से वहां पहुंचा। समोसा खिलाने का लालच देकर अपने कंधे पर बैठाकर ले गया।

जब परिजनों को बच्ची नहीं मिली, तो पुलिस से शिकायत की गई है। घटना स्थल के आसपास लगे कैमरों की जांच की गई, तो पता चला कि एक साइकिल सवार युवक बच्ची को ले जाते दिख रहा है। उसने साइकिल घटना स्थल पर ही छोड़ दिया था। एसपी चंद्र मोहन सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीसीटीवी के आधार पर बच्ची की तलाश में जुटी। पुलिस की टीम मनेंद्रगढ़ कलेक्ट्रेट के पीछे वाले रास्ते में जब पहुंची, तो करीब 7 घंटे बाद जंगल किनारे पेड़ के नीचे बच्ची सोती हुई मिली। वहीं, आरोपी युवक भी उसी जगह से पकड़ा गया।

**युवक ने बच्ची से की रेप की कोशिश**

बताया जा रहा है कि, बच्ची के साथ दुष्कर्म करने की पुष्टि हुई है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी जनक राजा के खिलाफ रेप, अपहरण और पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। आरोपी मनेंद्रगढ़ इलाके में रहकर किसी दुकान में काम करता है। वहीं, घटना स्थल पर मिली साइकिल की जांच की गई, तो वो पुलिसकर्मी की निकली। जिसे युवक थाने के पीछे बने आवास के पास से चुरा ले गया था। पुलिस ने युवक गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ कर रही है। फिलहाल, मामले की जांच जारी है।

## सरगुजा में शिक्षकों ने अतिशेष सूची को बताया त्रुटिपूर्ण, दावा-आपत्तियों का अंबार

**मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)।** सरगुजा में युक्तियुक्तकरण के तहत एक हजार से अधिक शिक्षक अतिशेष हो गए हैं। जिले में एक हायर सेकेंडरी समेत 14 स्कूलों को बंद कर 227 स्कूलों का युक्तियुक्तकरण हो रहा है। अतिशेष सूची को लेकर सोमवार को बड़ी संख्या में दावा-आपत्ति जमा हुई हैं। सोमवार को शिक्षकों ने सूची में आपत्ति जताते हुए जमकर हंगामा किया। शिक्षक साझा मंच ने पदस्थापना के लिए आयोजित काउंसलिंग के बहिष्कार का ऐलान किया है।

स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के तहत सरगुजा जिले में सभी वर्ग के शिक्षकों की अतिशेष सूची जारी कर दी गई हैं। अतिशेष शिक्षकों की सूची जारी होने के बाद ही इसमें मनमानी करने का आरोप लगाते हुए शिक्षकों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। सोमवार को बड़ी संख्या में शिक्षकों ने सूची में नाम को लेकर दावा-आपत्ति दर्ज कराई है।

शिक्षक साझा मंच के बैनर तले शिक्षकों ने सोमवार को कलेक्टोरेट पहुंचकर अतिशेष निर्धारण में गड़बड़ी को लेकर कलेक्टर सरगुजा विलास भोस्कर को आवेदन दिया। कलेक्टर को अतिशेष निर्धारण में मनमानी से अवगत कराया गया। प्राइमरी और मिडिल स्कूलों में अतिशेष निर्धारण में ज्यादा आपत्ति आई है। हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों में अतिशेष निर्धारण में अलग-अलग मापदंड होने को लेकर भी आपत्ति दर्ज की गई है।

शिक्षक साझा मंच ने अंबिकापुर डीईओ को भी ज्ञापन सौंपा। शिक्षक साझा मंच के जिला संयोजक सर्वजीत पाठक ने कहा कि, अतिशेष की सूची मनमाने ढंग से तैयार की गई है। इसमें कई विसंगतियां हैं। इस कारण अतिशेष शिक्षकों की सूची का विरोध किया जा रहा है। शिक्षकों द्वारा अतिशेष समायोजन काउंसलिंग के बहिष्कार का निर्णय लिया गया है।

सोमवार को दावा आपत्ति के लिए 12 बजे तक का समय दिया गया था। शिक्षक दावा आपत्ति लेकर बीईओ कार्यालय पहुंचे तो वहां पावती देने से इनकार कर दिया गया। इसे लेकर बीईओ कार्यालय में शिक्षकों ने हंगामा कर दिया। हंगामे के बाद बीआरसी को दावा आपत्ति की पावती देने के लिए बैठाया गया। शिक्षकों ने बड़ी संख्या में दावा आपत्ति ब्लॉक कार्यालयों में जमा की है, हालांकि इसकी सुनवाई नहीं हुई है।

सर्वजीत पाठक ने कहा कि, जिन स्कूलों में पद रिक्त नहीं थे, वहां ट्रांसफर से शिक्षकों की पदस्थापना की गई। नई नियुक्ति के तहत भर्ती शिक्षकों को रिक्त पदों में भेजने के बजाय पहले से भरे हुए स्कूलों में भेजा गया। जिनकी परिवीक्षा अवधि समाप्त नहीं हुई है, वहां वरिष्ठ शिक्षक अतिशेष हो गए हैं। कई स्कूलों में अतिशेष होने के बावजूद शिक्षकों का नाम सूची से गायब है।ज्ञापन सौंपने के दौरान शिक्षक साझा मंच के सर्वजीत पाठक, सुनील सिंह, संदीप पांडेय, कंचनलता श्रीवास्तव, अमित सोनी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल थे।

## कर्नाटक में धारदार हथियारों से शख्स की सरेआम हत्या

कोप्पल (एजेंसी)। कर्नाटक के कोप्पल जिले के तवरगेरा में 31 मई को एक शख्स की सरेआम धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें रात 10 बजे करीब 7 लोग तलवार और गंडासा लेकर एक बेकरी शॉप के अंदर घुसे और शख्स पर हमला कर दिया। मृतक की पहचान 35 साल के चेनप्पा हुसेनप्पा नरिनाल के रूप में हुई है। हमलावरों ने चेनप्पा की गर्दन, सिर, पीठ और शरीर के कई जगहों पर वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। चेनप्पा खुद को बचाने के लिए चिल्ला रहा था। उसने बेकरी में इधर-उधर भागने की भी कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने दौड़ा-दौड़ाकर उस पर हमले किए। वीडियो में दिखा कि एक आरोपी ने उसके सिर पर लाठी से भी वार किया। हमलावरों ने पहले बेकरी के अंदर हमला किया। फिर उसे बाहर घसीटा और तब तक हमला किया जब तक कि उसकी मौत नहीं हो गई।

## चेन्नई की अन्ना यूनिवर्सिटी में रेप के दोषी को उम्रकैद

चेन्नइ (एजेंसी)। तमिलनाडु के चेन्नई स्थित अन्ना यूनिवर्सिटी में हाई प्रोफाइल यौन शोषण मामले के दोषी ज्ञानसेकरन को सोमवार को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। महिला कोर्ट की जज एम राजलक्ष्मी ने कहा कि दोषी को बिना किसी छूट के कम से कम 30 साल जेल में रहना होगा। दोषी पर 90 हजार रुपए जुर्माना भी लगा है।ज्ञानसेकरन को 28 मई को दोषी ठहराया था। उसके खिलाफ यौन उत्पीड़न, रेप, धमकी और अपहरण सहित सभी 11 आरोप सही साबित हुए थे। मामले में कम से कम 29 गवाहों ने गवाही दी और पुलिस ने 100 पन्नों का चार्जशीट दाखिल किया था। मामला दिसंबर, 2024 का है। ज्ञानसेकरन ने 23 दिसंबर की रात 8 बजे यूनिवर्सिटी कैंपस में घुसकर 19 साल की इंजीनियरिंग स्टूडेंट का रेप किया था। पीड़ित अपने युवक दोस्त के साथ थी। ज्ञानसेकरन ने दोस्त की पिटाई के बाद युवती का शोषण किया था।

## बिहार में 3 चरणों में हो सकते हैं विधानसभा चुनाव

पटना (एजेंसी)। इस साल के आखिर में बिहार विधानसभा का चुनाव होना है। सूत्रों की माने तो बिहार में चुनाव 3 चरण में हो सकते हैं। माना जा रहा है कि वोटिंग की डेट में दिवाली और छठ पर्व का ध्यान रखा जाएगा। 2020 का विधानसभा चुनाव 3 फेज में हुआ था। चुनाव आयोग की टीम इसी महीने बिहार जाएगी। हालांकि, अभी तारीख अभी तय नहीं है।नीतीश कुमार का कार्यकाल 22 नवंबर 2025 तक है। ऐसे में संभावना है कि सितंबर से अक्टूबर के बीच आचार संहिता लग जाएगी।

माना ये भी जा रहा है कि सितंबर के आखिरी हफ्ते से चुनाव की शुरुआत हो सकती है, जो पूरे अक्टूबर तक चलेगी।

# मुयमंत्री डॉ. यादव मंदसौर में हुए मां कुलदेवी पूजन कार्यक्रम में वर्चुअली हुए शामिल

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दशोरा नागर समाज ने देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए कई आहुतियां दीं है। समाज ने कठिनाइयों के बीच भी अपनी परंपराएं और पहचान बनाए रखी। व्यापार, व्यवसाय के साथ ही पूजा पाठ में शुद्धता और प्रक्रियाओं की सटीकता के साथ कर्म संपादित करना इस समाज की विशेषता रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मंदसौर में हुए समाज के मां कुलदेवी पूजन कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। दशोरा समाज प्रतिवर्ष ज्येष्ठ शुक्ल सप्तमी के दिन शिवना नदी में विराजित मां कुलदेवी की पूजन अर्चन करता है। मंदसौर में हुए कार्यक्रम में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, समाजजन, जनप्रतिनिधि तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर भगवान हाटकेश्वर एवं मां कुलदेवी को नमन किया और उपस्थितजनों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दशोरा समाज ने संस्कृति को सहेजने का काम किया और आक्रमणों के समय अपने धर्म को बचाए रखा। दशोरा समाज कलम का धनी होने के साथ-साथ भोजन एवं पकवान बनाने में भी निपुण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सभी बहनों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने समाजजन से देश एवं समाज के विकास में सहभागी बनने का आव्हान किया।

## तेजप्रताप पर तेजस्वी बोले- लालू फैसला ले चुके हैं

पटना (एजेंसी)। तेज प्रताप की यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लालू यादव ने उन्हें राजद से निकाल दिया था। पार्टी से निकाले जाने का लेटर जारी। अनुष्का यादव के साथ तस्वीरें वायरल होने के बाद तेजप्रताप यादव को पार्टी से निकाल दिया गया है। तेजप्रताप यादव ने रविवार को बैक टू बैक टू पोस्ट किए। एक पोस्ट में तेजप्रताप ने जयचंद का जिक्र किया। लिखा कि मेरे भाई भरोसा रखना। मैं हर परिस्थिति में तुम्हारे साथ हूं। भाई मम्मी-पापा का ख्याल रखना, जयचंद हर जगह हैं, अंदर भी और बाहर भी।

## सिक्किम में मिलिट्री कैंप पर लैंडस्लाइड, 3 जवानों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिक्किम में रविवार शाम 7 बजे एक मिलिट्री कैंप भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड की चपेट में आ गया। इसमें 3 जवानों की मौत हो गई, जिनके शव बरामद हुए हैं। चार लोगों को मलबे से जिंदा निकाला गया है। उन्हें मामूली चोटें आई हैं। छह जवान अभी लापता हैं। सर्च ऑपरेशन जारी है

सेना ने सोमवार को घटना की जानकारी दी और बताया कि जिन जवानों के शव मिले हैं, उनकी पहचान हवलदार लखबिंदर सिंह, लांस नायक मनीष ठाकुर और पोर्टर अभिषेक लखाड़ा के रूप में हुई है। दूसरी तरफ, सिक्किम के लाचेन और लाचुंग में 30 मई से फंसे एक हजार से ज्यादा टूरिस्टों को भी आज रेस्क्यू किया गया। सिक्किम सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में पिछले 4 दिनों से भारी बारिश हो रही है।

## हनीमून मनाने शिलॉन्ग गए इंदौर के युवक का शव मिला

इंदौर (एजेंसी)। मेघालय के शिलॉन्ग में 11 दिन से लापता इंदौर के कपल में से पति राजा रघुवंशी का शव सोमवार को एक खाई में मिला है। उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी की तलाश अभी जारी है। यह कपल हनीमून मनाने मेघालय के शिलॉन्ग गया था। यहां दोनों ओसरा हिल्स से 23 मई की शाम के बाद से लापता हो गए थे। तब से अलग-अलग 6 टीमें उनकी सर्चिंग में जुटी हैं।

राजा के भाई सचिन ने उसका शव मिलने की पुष्टि की है। हाथ पर राजा नाम लिखा है। दूसरे भाई विपिन ने कहा कि जहां स्कूटर मिला था, वहीं से करीब 20 से 25 किलोमीटर दूर शव मिला है। राजा की मौत कैसे हुई और वह यहां तक कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है। मेघालय पुलिस इस पर जानकारी देगी। बता दें कि राजा के भाई विपिन और सोनम के भाई गोविंद सर्चिंग टीम के साथ ही मौजूद हैं।

## सोनिया गांधी निजी दौरे पर शिमला पहुंची

**शिमला (एजेंसी)।** लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी के बाद राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी भी सोमवार को शिमला पहुंच गई हैं। सोनिया गांधी शाम 5 बजे के करीब छराबड़ा पहुंची, जहां पर वह अगले चार-पांच दिन बिताएंगी। सोनिया गांधी अगले कुछ दिन यहीं बेटी प्रियंका गांधी के साथ आराम करेंगी। प्रियंका गांधी बीते एक सप्ताह से छराबड़ा में हैं। बताया जा रहा है कि निजी दौरे पहुंची सोनिया-प्रियंका किसी भी कांग्रेस नेता से मुलाकात नहीं करेंगी।

सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी के दौरे के दृष्टिगत पुलिस ने छराबड़ा में सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए हैं और पुलिस गश्त बढ़ा दी है। सूचना के अनुसार, दिल्ली से सोनिया गांधी चंडीगढ़ तक हेलिकॉप्टर में आई। चंडीगढ़ से सड़क मार्ग से सीधे शिमला के छराबड़ा पहुंची, जहां पर प्रियंका गांधी ने पहाड़ी शैली में घर बना रखा है।

शिमला से लगभग 13 किलोमीटर दूर छराबड़ा में कल्याणी हेलिपेड के साथ प्रियंका गांधी का अपना घर बना रखा हैं। प्रियंका गांधी साल में 4-5 बार यहां आती रहती हैं। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और रॉबर्ट वाड्रा भी यहां कई बार आ चुके हैं।

## नीट-पीजी स्थगित,15 जून को होनी थी परीक्षा

**नई दिल्ली।** नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंस यानी एनबीईएमएस ने नीट-पीजी परीक्षा स्थगित कर दी है। ऑफिशियल वेबसाइट पर जारी नोटिस के अनुसार, परीक्षा अगला नोटिस जारी होने तक स्थगित रहेगी।

एग्जाम 15 जून के लिए शेड्यूल्ड था, जिसके लिए एडमिट कार्ड 11 जून को जारी होने थे। मगर देर शाम वेबसाइट पर एग्जाम पोस्टपोन करने का नोटिस जारी हो गया।

दरअसल, 30 मई को सुप्रीम कोर्ट ने एनबीई को निर्देश दिया था कि परीक्षा एक ही शिफ्ट में आयोजित की जाए। इसके लिए जरूरी हो तो एग्जाम सेंटर्स की गिनती बढ़ाई जा सकती है। कोर्ट ने कहा था कि अभी परीक्षा में 2 सप्ताह का समय है जो तैयारियों के लिए पर्याप्त है। फिर भी अगर और समय की जरूरत हो तो बोर्ड इसके लिए आवेदन कर सकता है।

छात्रों ने 2 शिफ्ट में परीक्षा के

## इंडिगो की फ्लाइट से 4000 फीट ऊंचाई पर गिद्ध टकराया

**रांची।** रांची के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट को पक्षी टकराने की वजह से इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। घटना आज (सोमवार, 2 जून) दोपहर 1.14 बजे की है। रिपोर्ट के अनुसार फ्लाइट जब रांची एयरपोर्ट से कुछ दूरी पर थी, तभी उससे एक गिद्ध टकरा गया। हादसा जिस समय हुआ, विमान लगभग 3 से 4 हजार फीट की ऊंचाई पर था। विमान से गिद्ध के टकरने पर पायलेट को 40 मिनट तक विमान को हवा में रखना पड़ा। इसके बाद रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई गई। टक्कर से विमान के अगले हिस्सा में डेंट आया है। फ्लाइट में 175 यात्री सवार थे, जो सभी सुरक्षित हैं।

एयरपोर्ट के डायरेक्टर आरआर मौर्य ने बताया कि टक्कर के बाद पायलट ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए इमरजेंसी लैंडिंग की। इंजीनियर विमान की जांच कर रहे

## इथियोपिया में सांसद मनीष तिवारी ने पाक को बताया कायर

**चंडीगढ (एजेंसी)।** सर्वदलीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा पहुंचे चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी ने मीडिया को संबोधित करते हुए पाकिस्तान को कायराना बताया। उन्होंने वहां मौजूद भारतीयों से अपील की कि वे पाकिस्तान की करतूतों के बारे में सबको बताएं, ताकि सभी को उनकी कायराना हरकत के बारे में पता चले कि कैसे पाकिस्तान आम लोगों पर छिपकर और धोखे से हमला करता है और कैसे भारतीय सेना ने उस हमले का जवाब दिया है।

उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ पूर्व सैनिकों का शहर है, जहां हर नागरिक में देशभक्ति और समर्पण की भावना भरी हुई है। ऐसे में चंडीगढ़ से पूरी दुनिया को एक कड़ा संदेश जाना चाहिए।

# जेपी नड्डा सोलन में तिरंगा यात्रा में हुए शामिल

**सोलन (एजेंसी)।** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा आज दोपहर बाद हिमाचल प्रदेश के सोलन पहुंचे। नड्डा यहां पर मॉल रोड पर निकाली बीजेपी की तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। इसमें खूब भीड़ उमड़ी। नड्डा ने खुली जीप में सवार होकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद इंडियन आर्मी ने जिस तरह की जवाबी कार्रवाई की और शौर्य दिखाया है, उसे गांव -गांव तक पहुंचाने के लिए बीजेपी ने चारों संसदीय क्षेत्रों के अलावा 17 ब्लॉक स्तर पर भी तिरंगा यात्रा निकाली है। इसी क्रम में आज सोलन में भी यह यात्रा निकाली गई।

तिरंगा यात्रा के बाद सोलन में ही भाजपा की कोर ग्रुप की बैठक रखी है। नड्डा की अध्यक्षता में होने हुई कोर ग्रुप मीटिंग में प्रदेश सरकार को घेरने की रणनीति बनाई गई।खासकर चीफ इंजीनियर विमल नेगी मौत मामले में बीजेपी सुक्खू सरकार को घेरने को लेकर मीटिंग में चर्चा हुई। सूत्र बताते हैं कि आज की मीटिंग में बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर भी चर्चा हुई है, क्योंकि बीजेपी हाईकमान 5 महीने से नए अध्यक्ष का फैसला नहीं कर पाया है।

## ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर घायल स्वरूपों के दर्शन

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर में ऑपरेशन ब्लू स्टार की 41वीं बरसी का आज दूसरा दिन है। दमदमी टकसाल और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के बीच जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज को लेकर पैदा हुए विवाद अभी भी जारी है। शाम को एसजीपीसी प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी खुद दमदमी टकसाल मुखी हरनाम सिंह खालसा से मिलने पहुंचे। तकरीबन 1 घंटे तक चली ये बैठक अंत में विफल रही। एसजीपीसी धामी ने कहा कि हमने विचार किया है, आस है, जल्द इसका हल निकल जाएगा। वहीं हरनाम सिंह खालसा अभी भी अपनी बात पर अड़े हुए हैं। उनका कहना है कि एसजीपीसी और श्री अकाल तख्त साहिब से दमदमी टकसाल का कोई टकराव नहीं है। लेकिन जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज अगर कौम के नाम संदेश देते हैं और शहीदों के परिवार को सम्मान देने की बात करते हैं तो स्थिति तनाव पूर्वक हो सकती है।

## खुर्शीद बोले- क्या देशभक्त होना इतना मुश्किल है

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने सोमवार को ङ्क पोस्ट में लिखा- जब भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया भर में अपना संदेश पहुंचाने के मिशन पर होता है, तो देश में लोग राजनीतिक वफादारी का आकलन कर रहे हैं। यह दुखद है। क्या देशभक्त होना इतना मुश्किल है? सलमान के बयान को उनकी पार्टी और विपक्ष के नेताओं के बयान के खिलाफ देखा जा रहा है। 1 मई को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर पर पीएम मोदी खुद की तारीफ करना बंद करें। उन्हें दुश्मन पर ध्यान देना चाहिए।

सलमान खुर्शीद जेडीयू सांसद झा के नेतृत्व वाले उस डेलिगेशन में शामिल हैं जो ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख रखने के लिए विदेशी दौरे पर हैं। उनका डेलिगेशन अभी तक इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर का दौरा कर चुका है। फिलहाल मलेशिया में है। डेलिगेशन का मलेशिया दौरा बाकी है। ये 21 मई को रवाना हुआ था। इसमें भाजपा सांसद बृज लाल, प्रदान बरुआ, हेमंग जोशी और अपराजिता सारंगी, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी, सीपीआईएम सांसद जॉन ब्रिटास और राजदूत मोहन कुमार शामिल हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को नसीहत दी थी। उन्होंने कहा- पीएम मोदी को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर खुद की तारीफ करने की जगह दुश्मन पर फोकस करना चाहिए। उनके अलावा कोई भी ऐसा नहीं कर सकता है।

# देश में कोरोना से 24 घंटे में 6 मौतें

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। एक्टिव केसों की संख्या 3976 पहुंच गई। स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट के मुताबिक 10 दिन में 15 गुना मामले बढ़े हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1435 केस हैं। महाराष्ट्र एक्टिव मामलों के मामले में दूसरे नंबर पर है। यहां 506 मरीज हैं।कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या 34 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 6 मौतें हुई हैं। सोमवार को अहमदाबाद में 18 साल की गर्भवती लड़की और 47 साल की महिला की कोरोना से जान गई। इससे पहले रविवार को दिल्ली में 22 साल की लड़की और तमिलनाडु में 25 साल के लड़के की कोरोना से मौत हुई थी।

लगातार बढ़ते केसों के बीच कर्नाटक सरकार ने पब्लिक एडवाइजरी जारी की है। इसमें लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाने, शारीरिक दूरी बनाए रखने और

स्वच्छता का खास ध्यान रखने की अपील की। बुखार, खांसी, सीने में दर्द या सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत जांच कराने को कहा है। राज्य में 253 एक्टिव केस हैं। सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- अगली कोविड महामारी अभी खत्म नहीं हुई है। केंद्र कोविड सैंपल कलेक्शन, कोविड सेंटर्स और ट्रांसपोर्ट पॉलिसी नीति की तैयारियों की डिटेल दे।केंद्र सरकार ने कहा- कोरोना से निपटने के लिए तैयारियां पूरी केंद्रीय स्वास्थ्य और आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा- स्वास्थ्य विभाग और आयुष मंत्रालय पूरी तरह से सतर्क हैं। सभी राज्यों के हालात पर नजर रख रहे हैं। हमने संबंधित सचिवों और मंत्रियों से बातचीत की है।

## विराट कोहली की 18 नंबर जर्सी पर इस खिलाड़ी ने किया कब्जा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली ने मई 2025 में टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले ली थी और इससे पहले वो साल 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। कोहली अब भारत के लिए सिर्फ वनडे प्रारूप में खेल रहे हैं। विराट कोहली 18 नंबर की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरते हैं, लेकिन उनके टेस्ट रिटायरमेंट के बाद भारत ए और इंग्लैंड लायंस के बीच एक अनौपचारिक टेस्ट मैच के दौरान एक भारतीय खिलाड़ी को 18 नंबर की जर्सी पहने देखा गया। मुकेश कुमार जो दो अनाधिकारिक टेस्ट मैचों के लिए भारत ए टीम में शामिल हैं उन्होंने अपनी जर्सी संख्या को 49 से बदलकर 18 कर ली है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे अनाधिकारिक टेस्ट मैच में 18 नंबर की जर्सी पहनकर खेल रहे हैं। मुकेश अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल में 49 नंबर की जर्सी पहनते हैं। उन्होंने आईपीएल 2025 में 49 नंबर की जर्सी पहनकर खेला था। वैसे ये पता नहीं चल पाया है कि उन्होंने अपनी जर्सी का नंबर हमेशा के लिए बदलकर 18 कर लिया है या ये सिर्फ मौजूदा मैच के लिए है।

मुकेश कुमार इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं और टेस्ट टीम में वापसी करना चाहते हैं।

## जो रुट ने किया बड़ा कमाल, इंग्लैंड के लिए वनडे में बने सबसे सफल बल्लेबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। कार्डिफ में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में वेस्टइंडीज के द्वारा दिए गए 309 के टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम मुश्किल में नजर आ रही है, क्योंकि उसने 100 रनों के अंदर ही अपने 4 विकेट गंवा दिए। हालांकि, अनुभवी बल्लेबाज जो रूट एक छोर पर जमे हुए हैं और अर्धशतक बना चुके हैं। अपनी पारी के दौरान रुट ने एक बड़ा रिकॉर्ड भी बना दिया और अब वह इंग्लैंड के लिए वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभी तक ये उपलब्धि इयोन मोर्गन के नाम दर्ज थी लेकिन अब रूट ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है। जो रुट को इंग्लैंड का सबसे सफल बल्लेबाज बनने के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में 31 रन बनाने की जरूरत थी और उन्होंने ऐसा आसानी से कर दिया। इयोन मोर्गन ने इंग्लैंड के लिए 225 वनडे की 207 पारियों में 39.75 की औसत से 6957 रन बनाए थे। वहीं रुट ने अपने वनडे करियर 179वें मैच की 168वीं पारी में मोर्गन को पीछे छोड़ दिया है। इस दौरान रुट का औसत 48.31 का रहा है। बता दें कि, जो रुट को 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद 50 ओवरों के फॉर्मेट से इंग्लैंड ने ड्रॉप कर दिया था और उन्हें काफी समय तक बाहर रहना पड़ा। हालांकि, चैंपियंस ट्रॉफी को देखते हुए रुट की वापसी हुई और उन्हें साल की शुरुआत में भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुना गया। इसके बाद दाएं हाथ के बल्लेबाज को चैंपियंस ट्रॉफी में भी मौका मिला।

## राजीव शुक्ला बनेंगे बीसीसीआई के नए अध्यक्ष!

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी अगले महीने रिटायर हो रहे हैं। साल 2022 में बीसीसीआई के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभालने वाले रोजर का कार्यकाल 19 जुलाई को खत्म हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस दिन वह 70 साल के हो जाएंगे और बीसीसीआई के सभी पदाधिकारियों को 70 की उम्र के बाद अपने पद से इस्तीफा देना पड़ता है।ऐसे में अगर रोजर बिन्नी बीसीसीआई के अध्यक्ष पद को छोड़ते हैं तो उनकी जगह वर्तमान में बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला उनका पद संभालेंगे।

दरअसल, न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला जुलाई के महीने में कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर इस पद का संभाल सकते हैं। क्योंकि बीसीसीआई के मौजूदा अध्यक्ष रोजर बिन्नी का जन्मदिन 19 जुलाई को हैं और वह उस दिन 70 साल के हो जाएंगे। ऐसे में 65 साल के राजीव शुक्ला को पहले तीन महीने के लिए कार्यकारी अध्यक्ष का रोल दिया जाएगा। सालाना जेनरल मीटिंग जो कि सितंबर के महीने में होगी उस महीने में वह 66 साल के हो जाएंगे और वह फिर पूरे तरीके से अध्यक्ष के चुनावों के लिए खड़े हो सकते हैं। वहीं जब तक बीसीसीआई को कोई नया अध्यक्ष नहीं मिलता है तब तक राजीव शुक्ला अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर ये कुर्सी संभालेंगे। बता दें कि, रोजर बिन्नी को 2022 में बीसीसीआई का अध्यक्ष बनाया गया था। वह बीसीसीआई के 36वें अध्यक्ष बने थे जिन्होंने सौरव गांगुली की जगह ली थी।

# आईपीएल फाइनल के लिए बीसीसीआई का प्लान, बारिश के लिए की ये खास तैयारी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईपीएल 2025 का फाइनल 3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना है। इस मैच को लेकर बीसीसीआई ने खास तैयारी की है। इस मैच में अगर बारिश होती तो भी मैच पूरा खेला जाएगा।

आईपीएल 2025 के प्लेऑफ मैच के लिए बीसीसीआई ने 5 ओवर के मैच के लिए कटऑफ टाइम रात 11 बजकर 56 मिनट तक रखा है। इससे पहले अगर बारिश की वजह से मैच शुरू नहीं हो पाता है तो मैच को रद्द मान लिया जाता है लेकिन फाइनल में ऐसा नहीं होगा।

फाइनल मैच बारिश के बाद भी पूरा खेला जाएगा। क्योंकि इसके लिए बीसीसीआई ने रिजर्व डे रखा हुआ है इसका मतबल है कि अगर मैच 3 जून को पूरा नहीं हो पाया तो मैच 4 जून को खेला जाएगा।

आरसीबी क्वालीफायर 1 में पंजाब किंग्स को हराकर पहले ही फाइनल में जगह बना चुकी है। वहीं मुंबई इंडिया ने एलिमिनेटर मुकाबला जीता इस दौरान मुंबई ने गुजरात टाइटंस को हराया था।

मुंबई और पंजाब में से जो भी टीम जीतेगी वो टीम 3 जून को फाइनल में आरसीबी के खिलाफ खिताबी मुकाबले में भिड़ेगी। अगर मुंबई फाइनल में पहुंचती है तो वो अपना छठा आईपीएल ट्रॉफी जीतने का प्रयास करेगी। वहीं पंजाब पहुंचती है तो आरसीबी और पंजाब मेंसे

## सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल में रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का क्वालिफायर-2 मुकाबला मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच रविवार को खेला गया। इस मैच में टॉस जीतकर पंजाब ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। लेकिन बारिश के चलते ये मैच 2 घंटे की देरी से शुरू हुआ। लेकिन जब मुंबई की टीम बल्लेबाजी के लिए उतरी तो इस मैच में सूर्यकुमार यादव ने एक इतिहास रच दिया। मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार ने आईपीएल 2025 सीजन में एक और बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। उन्होंने एक सीजन में बतौर नॉन-ओपनर सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सूर्यकुमार यादव ने 2025 के आईपीएल में 691 रनों के आंकड़े को पार कर लिया है। जो अब तक किसी भी नॉन-ओपनर बल्लेबाज द्वारा एक सीजन में बनाया गया सबसे ज्यादा रन है। इससे पहले ये रिकॉर्ड 2016 में एबी डिविलियर्स के नाम था, जिन्होंने 687 रन बनाए थे।

## डी गुकेश ने मैग्नस कार्लसन को दी मात

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे चेस 2025 टूर्नामेंट के छठे दौर में पूर्व वर्ल्ड नंबर वन मैग्नस कार्लस को अपने करियर में पहली बार क्लासिक टाइम कंट्रोल में हराया और बेहतरीन जीत अपने नाम की। सफेद मोहरों से खेलते हुए भारत के युवा खिलाड़ी ने दबाव में भी गेम पर अपनी पकड़ बनाए रखी और आखिरी राउंड में 34 वर्षीय नॉर्वेजियन ग्रैंडमास्टर की दुर्लभ गलती का फायदा उठाते हुए इसे पल का यादगार बनाया। स्टावेंजर में घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे कार्लसन गेम में ज्यादा तर समय गुकेश के खिलाफ अपर हैंड बनाए हुए थे और अच्छी स्थिति में दिख रहे थे। वहीं गुकेश ने अनुशासन और धैर्य का बेहतरीन परिचय देते हुए हर चाल का बचाव किया और फिर सटीक जवाबी हमले से खेल का रुख अपनी ओर मोड़ दिया। इस टूर्नामेंट में टाइम कंट्रोल का नियम लागू होता है यानी यहां बिना समय लिए तेजी से अपनी चालें चलनी होती है। कार्लसन टूर्नामेंट के इसी नियम के कारण लड़खड़ा गए और उनकी इस कमजोर का गुकेश ने बखूबी फायदा उठाया। गेम के आखिरी राउंड में उन्हें मात दी। इस जीत से गुकेश बेहद खुश दिखे। प्लेइंग एरिना की लॉबी में उन्होंने अपने लंबे समय के पोलिश कोच ग्रेजगोर्ज गजेव्स्की को जोरदार हाई पंच के साथ स्वागत किया। बता दें कि, ये गुकेश के लिए कमबैक विन रही, जो नॉर्वे चेस के पहले दौर में काले मोहरों से खेलते हुए मैग्नस कार्लसन से हार गए थे। ये 6 खिलाड़ियों की राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता है। नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में दो सालों में ये दूसरी बार है जब किसी युवा भारतीय खिलाड़ी ने क्लासिक फॉर्मेट में कार्लसन को मात दी हो।

## नीलामी में इस खिलाड़ी को नहीं मिला खरीददार, टीम को दिला चुके हैं तीन बार खिताब

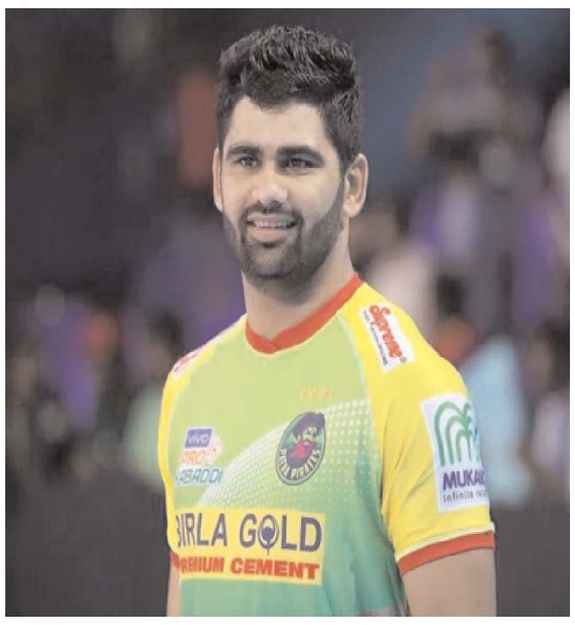


नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के ऑक्शन के पहले दिन जो हुआ उसकी शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। स्टार भारतीय कबड्डी खिलाड़ी प्रदीप नरवाल ऑक्शन में अनसोल्ड रहे। उनको किसी भी फ्रेंचाइजी ने अपने साथ नहीं जोड़ा। जो लोग प्रदीप के बारे में नहीं जानते हैं, उनके लिए बता दें कि वे टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा रेड पॉइंट वाले खिलाड़ी हैं। पिछले साल तक वे बेंगलुरु के लिए खेले थे, लेकिन इस साल की नीलामी में उनको कोई खबरदार नहीं मिला, जो सुनने में चौंकाने वाला है।

बता दें कि, पटना पाइरेट्स को 3 बार प्रदीप नरवाल ने अपनी कप्तानी में प्रो कबड्डी लीग का खिताब जिताया है। वह डुबकी किंग के नाम से मशहूर हैं। नरवाल का कबड्डी के मैट पर डुबकी लगाना उनका सिग्नेचर मूव है। इस बार ऑक्शन में फ्रेंचाइजियों ने युवा खिलाड़ियों पर ज्यादा अच्छे नहीं रहे थे। उनकी पूर्व फ्रेंचाइजियों ने भी उनपर बोली नहीं लगाई। ऑक्शन के पहले दिन कुल 26 खिलाड़ी खरीदे गए हैं जबकि 2 खिलाड़ी अनसोल्ड रहे हैं।

बता दें कि, आईपीएल 2022 के मेगा ऑक्शन में मिस्टर आईपीएल के नाम से मशहूर सुरेश रैना अनसोल्ड रहे थे। उनको चेन्नई सुपर किंग्स ने 2021 केसीजन के बाद रिलीज कर दिया था। ऐसी उम्मीद की जा रही थी कि सीएसके उनपर एक बार फिर बोली लगाएगी या कोई और फ्रेंचाइजी उनको अपने साथ जोड़ेगी, क्योंकि रैना आईपीएल लीजेंड हैं। लेकिन उनको किसी नहीं खरीदा।

## डी गुकेश से हार के बाद मैग्नस कार्लसन ने खोया आपा, टेबल पर पटक दिया हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में वर्ल्ड चैंपियन भारत के डी गुकेश ने दिग्गज मैग्नस कार्लसन को हराकर बड़ी जीत हासिल की है। इस जीत से जहां गुकेश बेहद खुश नजर हाए। वहीं कार्लसन अपना आपा खो बैठे। कार्लसन अपने देश में गुकेश से हार को बर्दाश्त नहीं कर पाए। वह हार के बाद हताश दिखे और अपने हाथ को जोर से चेबल पर पटक दिया। इसके बाद कार्लसन अपनी कुर्सी से उठकर अपनी भड़ास निकालते भी दिखे। फिर उन्होंने गुकेश से माफी मांगते हुए चेस बोर्ड के पास आए। फिर उन्होंने मुहरों को सजाने की कोशिश की। लेकिन झल्लाहट में उसे भी पटक दिया। वहीं दूसरी तरफ गुकेश ने जीत हासिल करने के बाद चुपचाप जश्न मनाया। उन्हें यकीन नहीं हुआ कि उनकी मेहनत काम कर गई। फिर कार्लसन तेजी से चलते हुए हॉल से निकल गए। उन्होंने गुकेश की पीठ भी थपथपाई। जिसका वीडियो काफी वायरल हो रहा है। गुकेश ने कार्लसन को चौंकाते हुए क्लासिकल शतरंज में कार्लसन पर पहली जीत दर्ज की। सफेत मोहरों के साथ खेल रहे कार्लसन ने अधिकांश समय मैच में इसका फायदा उठा और लगातार दबाव बनाया।

लेकिन गुकेश ने जरूरत पड़ने पर सावधानी पूर्वक खेल खेला और फिर कार्लसन पर अटैक किया। जैसे जैसे कार्लसन पर समय से चाल चलने का दबाव बढ़ता गया, कार्लसन ने गलतियां कीं और गुकेश को वापसी का मौका मिलता गया।

# इस खिलाड़ी पर भड़के श्रेयस अय्यर

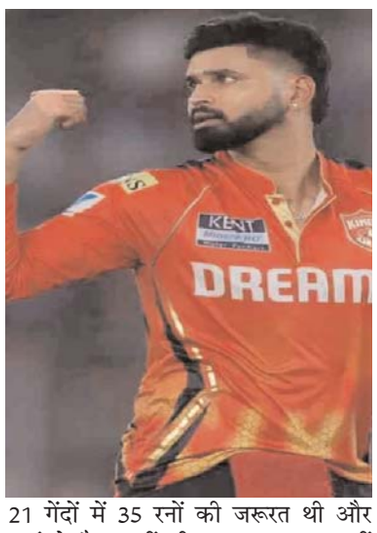


नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 5 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ पंजाब किंग्स फाइनल में पहुंच गई है। वहीं इस मैच में पीबीकेएल के कप्तान श्रेयस अय्यर ने 87 रनों की बेहतरीन पारी खेली और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ पंजाब आईपीएल के इतिहास में दूसरी बार फाइनल में पहुंच गया है। जहां उनका मुकाबला आरसीबी से होगा। पंजाब किंग्स भले ही ये रोमांचक मुकाबला जीत गई हो, लेकिन मैच के बाद श्रेयस अय्यर नाराज नजर आए। वे अपनी टीम के एक बल्लेबाज के आउट होने के तरीके से नाराज थे। इतना ही नहीं जब वह बल्लेबाज उनसे हाथ मिलने पहुंचा तो वे उस पर भड़क गए और उसे दूर जाने को कहा। ये पूरा वाक्य कैमरे में कैद हो गया। ये बल्लेबाज और कोई नहीं बल्कि टीम के उपकप्तान शशांक सिंह हैं। बता दें कि, शशांक सिंह महज 2 रन बनाकर हार्दिक पंड्या के थ्रो पर रनआउट हो गए थे। 16वें ओवर की चौथी गेंद पर हुई जब मैच काफी नाजुक मोड़ पर था। शशांक आसानी से रन पूरा कर सकते थे। लेकिन वे आधे रन से बाद आराम से दौड़ने लगे जिस कारण से नॉन स्ट्राइक क्रीज में पहुंच ही नहीं पाए। नतीजन पंजाब को पांचवा झटका लगा। इसने अय्यर को नाराज किया, क्योंकि उस वक्त पंजाब को 21 गेंदों में 35 रनों की जरूरत थी और यहां से मैच कहीं भी जा सकता था। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर ने छक्का जड़कर मैच खत्म किया और फिर अपनी व मुंबई की टीम के खिलाड़ियों से हाथ मिला रहे थे। तभी शशांक भी वहां आए लेकिन अय्यर ने उनसे हाथ नहीं मिलाया और न ही उन्हें गले लगाया। वे उनपर भड़क गए और गुस्से में अपशब्द कहने लगे। इस पर शशांक ने कप्तान को कोई जवाब नहीं दिया और चुपचाप आगे चले गए।

आईपीएल 2025 के दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 5 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ पंजाब किंग्स फाइनल में पहुंच गई है। वहीं इस मैच में पीबीकेएल के कप्तान श्रेयस अय्यर ने 87 रनों की बेहतरीन पारी खेली और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ पंजाब आईपीएल के इतिहास में दूसरी बार फाइनल में पहुंच गया है। जहां उनका मुकाबला आरसीबी से होगा।

पंजाब किंग्स भले ही ये रोमांचक मुकाबला जीत गई हो, लेकिन मैच के बाद श्रेयस अय्यर नाराज नजर आए। वे अपनी टीम के एक बल्लेबाज के आउट होने के तरीके से नाराज थे। इतना ही नहीं जब वह बल्लेबाज उनसे हाथ मिलने पहुंचा तो वे उस पर भड़क गए और उसे दूर जाने को कहा। ये पूरा वाक्य कैमरे में कैद हो गया। ये बल्लेबाज और कोई नहीं बल्कि टीम के उपकप्तान शशांक सिंह हैं।

बता दें कि, शशांक सिंह महज 2 रन बनाकर हार्दिक पंड्या के थ्रो पर रनआउट हो गए थे। 16वें ओवर की चौथी गेंद पर हुई जब मैच काफी नाजुक मोड़ पर था। शशांक आसानी से रन पूरा कर सकते थे। लेकिन वे आधे रन से बाद आराम से दौड़ने लगे जिस कारण से नॉन स्ट्राइक क्रीज में पहुंच ही नहीं पाए। नतीजन पंजाब को पांचवा झटका लगा। इसने अय्यर को नाराज किया, क्योंकि उस वक्त पंजाब को 21 गेंदों में 35 रनों की जरूरत थी और यहां से मैच कहीं भी जा सकता था।

# मैं ऑस्ट्रेलिया के लिए बोझ... वनडे क्रिकेट से संन्यास के बाद ग्लेन मैक्सवेल का इमोशनल बयान

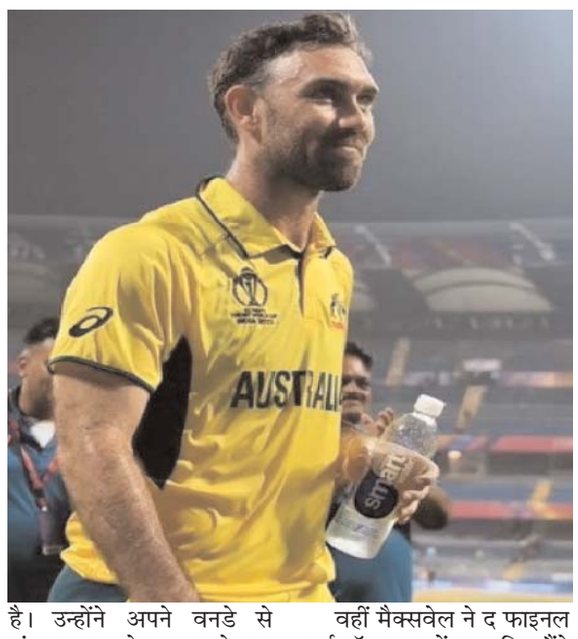


**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया है। 35 वर्षीय मैक्सवेल ने अपने 13 साल के वनडे करियर को अलविदा कह दिया। उनके इस अचानक रिटायरमेंट के फैसले से हर कोई हैरान है हालांकि, उन्होंने अपने संन्यास की वजह भी खुद बताई है।

दरअसल, ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे में 25 अगस्त 2012 को डेब्यू किया था। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ शारजाह में पहला वनडे मैच खेला था, जिसमें उनके बल्ले से महज 2 रन निकले थे। वहीं, उन्होंने अपने वनडे क्रिकेट का आखिरी मैच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में खेला था। उस मैच में मैक्सवेल 7 रन बनाकर अक्षर पटेल का शिकार बने थे।

अब ग्लेन मैक्सवेल ने अपने 13 साल के वनडे करियर को अलविदा कह दिया है। उन्होंने अपने वनडे से संन्यास का ऐलान करते हुए कहा कि अब वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट पर ज्यादा फोकस करना चाहते हैं। खासकर 2026 में होने वाले अगले टी20 विश्व कप को देखते हुए।

वहीं मैक्सवेल ने द फाइनल वर्ड पॉडकास्ट में कहा कि, मैंने हमेशा कहा है कि अगर मुझे लगता है कि मैं अपनी टीम के लिए बराबर योगदान दे रहा हूं तो मैं कभी भी वनडे से अलग नहीं होता लेकिन मैं स्वार्थी कारणों से खेलना नहीं चाहता था।

साथ ही मैक्सवेल ने वनडे क्रिकेट की शारीरिक मांगें, खासकर उनकी पैर की चोट के कारण, उनके प्रदर्शन को प्रभावित कर रही थीं। मैक्सवेल को लगा कि वह 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक शायद नहीं टिक पाएंगे और यही वजह है कि उन्होंने वनडे से संन्यास का ऐलान किया। मैक्सवेल ने आगे बताया कि उन्होंने 2027 वर्ल्ड कप के बारे में बात की और बेली से कहा कि, मुझे नहीं लगता कि मैं वहां तक पहुंच पाउंगा, ये समय है कि मेरी जगह पर दूसरे खिलाड़ियों के लिए योजना बनाना शुरू किया जाए ताकि वे इस भूमिका को अपना सकें। मैंने हमेशा कहा था कि मैं अपनी स्थिति तब तक नहीं छोड़ूंगा जब तक मुझे लगता है कि मैं अभी भी खेलने के लिए काफी अच्छा हूं। मैं सिर्फ कुछ सीरीजों के लिए बने रहना और लगभग स्वार्थी कारणों से खेलना नहीं चहता था।

दो युवतियों ने पेश की मानवता की मिसाल, सड़क पर पड़े घायलों को ऑटो से पहुंचाया एसजीएमएच, लेकिन मिली निराशा

# डिप्टी सीएम के प्रयासों को पलीता लगा रहा संजय गांधी अस्पताल का स्टाफ

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** एक ओर जहां उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल रीवा को मेडिकल हब बनाने की हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए स्वास्थ्य सहित अन्य अस्पतालों में हर ज़रूरी संसाधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर यहां के स्टाफ की आये दिन लापरवाही सामने आ रही है। कभी समय पर उपचार नहीं मिलता तो कभी मरीजों और परिजनों के साथ मारपीट की घटनाएं सामने आती हैं। ताज़ा मामला रविवार रात का हैं। जब सड़क दुर्घटना में घायल दो लोगों को वहां से गुज़र रहीं दो युवतियां उन्हें लेकर स्वास्थ्य पहुंची। संजय गांधी अस्पताल में लापरवाही का ये आलम था कि, वहां कोई उनकी सुन ही नहीं रहा था। पहले तो समय पर एम्बुलेंस नहीं मिली, घायलों को युवतियों ने ऑटो से अस्पताल पहुंचाया। और फिर अस्पताल में भी काफी देर तक इलाज नहीं मिला। इस पर दोनों ही युवतियों ने नाराज़गी ज़ाहिर की। दरअसल रविवार रात सास और दामाद बोदा बाग़ से चिरहुला कॉलोनी बाइक से जा रहे थे। तभी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मोड़ के पास अज्ञात बाइक की टक्कर से हादसे का शिकार हो गए। जिसमें सास और दामाद घायल हो गए। बाइक सवार प्रकाश शुक्ला का पैर टूट गया और महिला शशि अग्निहोत्री को काफी चोट आई। घटना के बाद आस पास कोई भी व्यक्ति मदद के लिए नहीं आया। तभी युवतियों ने देखकर उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया।






### अस्पताल के कामकाज पर सवाल

शिखा सिंह ने बताया कि हमने तो अपना फर्ज निभाया लेकिन अस्पताल की व्यवस्था बेहद खराब है। हम मरीज को लेकर पहुंचे और स्टाफ से बात करते रहे लेकिन कोई भी व्यक्ति मरीज को देखने तक नहीं आया। मैं और मेरी बहन तनु सिंह ने अपने घर में फोन किया। कुछ सोर्स लगाए। तब जाकर मरीज को कंपाउंडर देखने आए। यहां की व्यवस्था इतनी स्लो है कि किसी की भी जान जा सकती है। कोई भी सुनता ही नहीं है।



दरअसल घटना रविवार रात सास और दामाद बोदाबाग से चिरहुला कॉलोनी बाइक से जा रहे थे। तभी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मोड़ के पास अज्ञात बाइक की टक्कर से हादसे का शिकार हो गए। अज्ञात बाइक सवार ने एक बाइक को टक्कर मार दी। इसमें सास और दामाद घायल हो गए। महिला की स्थिति ज्यादा गंभीर नजर आई।

जिससे बाइक सवार प्रकाश शुक्ला का पैर टूट गया और महिला शशि अग्निहोत्री को काफी चोट आई। घटना के बाद आस पास कोई भी व्यक्ति मदद के लिए नहीं आया। युवतियों ने देखकर उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने 108 एम्बुलेंस को फोन लगाया। एम्बुलेंस नहीं आई तो दोनों ने घायलों को ऑटो से संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया और उनके परिजनों को सूचना दी।

उधर पूरे मामले में संजय गांधी अस्पताल के प्रवक्ता डॉक्टर यत्नेश त्रिपाठी का कहना है कि, हर मरीज को संवेदनशीलता से देखा जाता है। तत्काल इलाज की सुविधा इस अस्पताल में दी जा जाती है। बेहतर और त्वरित उपचार ही संजय गांधी अस्पताल की विशेषता है।

**कलेक्टर के निर्देशन के बाद भी कार्रवाई नहीं:** पिछले दिनों कलेक्टर ने सड़क दुर्घटना को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की। जहां इस बात पर जोर दिया गया कि घायल मरीज को सही समय पर अस्पताल पहुंचाया जाय। ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचकर घायल की जान बचाई जा सके। शहर में हुई सड़क दुर्घटना के बाद जब किसी ने घायल की सहायता नहीं की तो दो युवतियां ही उसे अस्पताल लेकर पहुंची। लेकिन अस्पताल में काफी देर तक कोई भी स्टाफ या कर्मचारी घायल महिला को देखने तक नहीं आया।

## सतना में दर्शनार्थियों से भरा पिकअप पलटा, 11 लोग घायल

### दर्शन करने मैहर जा रहा था रीवा से परिवार

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** सतना में सोमवार सुबह करीब 10 बजे राम वन गमन पथ पर बांधी मौहार गांव के पास एक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। गाड़ी में 20 लोग सवार थे, जिनमें से 6 नीचे दब गए और गर्म सब्जी गिरने से झुलस गए। मौके से गुजर रहे लोगों ने रुककर उन्हें निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया। इस हादसे में 11 लोग घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार रीवा जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र के देवरी चकदही गांव के लोग पिकअप में सवार होकर मैहर दर्शन के लिए जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने खाना बनाया और टंकियों में भरकर गाड़ी में रखा। जब गाड़ी पलटी तो कई लोग उसके नीचे दब गए। इसी दौरान उनके ऊपर टंकियों में रखा खाना गिर गया, जिससे वो झुलस गए।

राहगीरों ने घायलों को निकालकर जिला अस्पताल भिजवाया। परिवार मैहर में दर्शन के बाद कथा का आयोजन भी करने वाला था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## युवक से मारपीट कर आरोपियों ने सोने की चेन और 5 हजार छीने

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** सतना के कोलगंवा थाना क्षेत्र में एक युवक से लूटपाट की घटना सामने आई है। टिकुरिया टोला पानी टंकी के पास रविवार रात साढ़े दस बजे की यह घटना है। पीड़ित रणवीर सोनकर ने बताया कि वह घर जा रहा था। इसी दौरान टिकुरिया टोला के साई, मुन्ना, भुल्ला और दो अन्य युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने रणवीर के साथ मारपीट की। उसकी सोने की चेन और जेब में रखे 5 हजार रुपए छीन लिए। मारपीट की आवाज सुनकर जब मोहल्ले के लोग मौके की तरफ दौड़े, तो आरोपी भाग निकले। घायल रणवीर को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित ने कोलगंवा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## रीवा में कोरेक्स तस्कर का जुलूस निकाला, जेल भेजा गया

### 17 एनडीपीएस के मामले दर्ज, 80 हजार का इनामी था

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** रीवा पुलिस ने नशीली सिरप कोरेक्स की तस्करी के सरगना राजीव साहू उर्फ बुच्ची को सोमवार को सड़कों पर जुलूस निकालने के बाद जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपी को भोपाल से गिरफ्तार किया था। 35 वर्षीय बुच्ची उर्फ विजय साहू पर एनडीपीएस एक्ट के तहत 17 मामले दर्ज हैं। रीवा पुलिस उसे कई सालों से तलाश रही थी। उस पर 80 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के कब्जे से 1660 सीसी नशीली सिरप कोरेक्स बरामद की गई है। उसे पकड़ने के लिए थाना चोरहटा और साइबर सेल की संयुक्त टीम बनाई गई थी।

एडिशनल एसपी आरती सिंह ने बताया कि आरोपी की लोकेशन भोपाल में मिली थी। सीएसपी रितु उपाध्याय की मॉनिटरिंग में टीम ने दबिश देकर उसे पकड़ा। इसके बाद उसे 4 दिन की पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ पूरी होने के बाद सोमवार को आरोपी का रीवा की सड़कों पर जुलूस निकाला गया। इसके बाद कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया।

गांव में लगातार सातवीं चोरी, प्रशासन मौन, नहीं पकड़े गए अपराधी

# बैकुंठपुर के पटना गांव में हुई डकैती,लाखों का सामान पार

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** संभागीय मुख्यालय रीवा से चंद किलोमीटर दूरी बैकुंठपुर छेत्र के अंतर्गत पटना गांव के कचूर टोले में लाखों की डकैती की बड़ी बरदात आज़ रात हुई है।जैसा की बताया गया है की स्वर्गीय नंद लाल मिश्रा पुत्र श्री धर्मेंद्र मिश्रा रात 11 बजे भोजन करके सोने चलें गए देर रात धर्मेंद्र मिश्रा के फ़ोन में भोर 3 बजे कुछ दूर बने घर अरुण पटेल का फ़ोन आता है उन्होंने कहाँ की पयासी ज़ी उठिये लगता है डकैत आये है इतने में धर्मेंद्र मिश्रा उठे टार्च लेकर देखें तो दरवाजा टुटा हुआ खिड़की निकली हुई औऱ माता ज़ी की संदूक पेटी गायब कमरे से उसी पेटी में दो नग मंगलसूत्र,दो नग झुमके,एक नग हार,तीन नग पालय,बिछिया औऱ एक नग बेंदी साथ ही 42 हजार रूपये थे।ज़ब अरुण पटेल औऱ धर्मेंद्र मिश्रा सुबह पांच बजे खोजने निकले तो घर से आधा किलोमीटर दूर खेत में पेटी टूटी हुई मिली जिससे सामान गायब मिला।फ़िर मिश्रा ने तत्काल पुलिस को 100 नंबर में फ़ोन किया सब गतिविधियों से अवगत करवाया औऱ तत्काल थाने बैकुंठपुर में शिकायत की।

जैसा की विदित हो उक्त गांव में चोरी लगातार हो रही थी अब ये सातवीं बार है जो चोरी डकैती का रूप ले ली लेकिन पुलिस प्रशासन आज तक किसी भी चोरी का खुलासा करने में असफल रहा।ग्रामीणों में काफ़ी आक्रोश देखा जा रहा है कही ये आक्रोश विकराल रूप धारण ना कर ले।जनप्रतिनिधि भी जिम्मेदारी से भागते दिख रहें है नहीं तो अपराधियों के कैसे हौसला बुलंद होता।

पीड़ित धर्मेंद्र मिश्रा ने बताया कि, घर में हुई डकैती से मैं औऱ मेरा परिवार टूट चुका है,जिंदगी भर की कमाई चली गई।आशंका है डकैत धारदार हथियार लेकर आये होंगे अगर मैं या परिवार का कोई सदस्य उनको दीखता तो वो हत्या भी कर सकते थे।पूरा पटना गांव इस समय आक्रोश में है।मेरी विनती पुलिस प्रशासन से है की तत्काल ऐसे अपराधियों पर अंकुश लगाएं साथ ही उनको कठोर सजा दें जिससे ये अपराधी ऐसी वारदात ना कर सकें औऱ मेरा सामान दिलवाने की कृपा करें।

ग्रामीणों सहित समाजसेवी डॉ आशीष पाण्डेय ने पुलिस अधीक्षक महोदय एवं कलेक्टर से मांग की है कि इस मामले को तत्काल संज्ञान में लेते हुए डकैती करने वाले अपराधियों को खोज निकाले औऱ पीड़ित का सामान बरामद करवाये। सजा ऐसी मिले जिससे ऐसी घिनौना कृत्य करने वाले अपराधी ऐसी घटना से पहले हजार बार सोचे।ग्रामीणों में काफ़ी आक्रोश की जानकारी मिली है बैकुंठपुर पुलिस प्रशासन तत्काल कार्यवाही करें।

## मैहर में युवक ने प्रेमिका के पिता की गोली मारकर की हत्या

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** मैहर के रामनगर थाना क्षेत्र के रामचुआ गांव में एक युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड के पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। रविवार रात 9 से 9.30 बजे के बीच युवती के पिता महेंद्र सिंह खेत पर बने घर के बाहर लेटे हुए थे।

इसी दौरान पहले से घात लगाए आरोपी ध्रुव कुमार बाइक से मौके पर पहुंचा। उसने महेंद्र सिंह के सीने पर देशी कट्टे से गोली चला दी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन घर के बाहर दौड़कर आए तो महेंद्र खून से लथपथ नीचे पड़े थे, वहीं, दो युवक बाइक से भागते नजर आए।

पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल ने बताया कि इसकी सूचना मिलते ही तत्काल थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। घेराबंदी और सर्चिंग भी की गई लेकिन उस समय आरोपी नहीं मिला। फिलहाल उसकी तलाश जारी है। जल्द ही आरोपी को पकड़ कर उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी

एसपी के मुताबिक परिवार ने बताया कि महेंद्र की बेटी के साथ आरोपी ध्रुव कुमार शादी करना चाहता था, लेकिन महेंद्र को ये मंजूर नहीं था। महेंद्र के इनकार से आरोपी नाराज था। आरोपी उत्तर प्रदेश के झांसी के पास का रहने वाला है।

दरअसल, गांव के किसान महेंद्र सिंह की बेटी रीवा में पढ़ाई कर रही थी। वहीं 2023 में उसकी मुलाकात ध्रुव कुमार से हुई थी। दोनों के बीच दोस्ती हुई और नजदीकियां बढ़ीं। ध्रुव कुमार उससे मिलने उसके गांव भी आता था।

जानकारी के मुताबिक ध्रुव कुमार उससे शादी करना चाहता था लेकिन पिता महेंद्र सिंह को यह रिश्ता मंजूर नहीं था। उन्होंने कई बार ध्रुव को मना किया, फिर भी वह उनकी बेटी का पीछा नहीं छोड़ रहा था। परेशान होकर महेंद्र सिंह ने कुछ दिन पहले ध्रुव की पिटाई की थी।

थाना प्रभारी टीकाराम कुर्मी ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटना के बाद से गांव में सन्नाटा पसरा है। पड़ोस के युवक ने बताया कि जिस वक्त घटना हुई हम लोग अपने घर में थे। रोने की आवाज सुनकर पहुंचे तब तक वो लोग भाग गए थे।

## शादी के दिन दूल्हे की हादसे में मौत, सामान लेने जा रहा था बाज़ार

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** ज़िले के गढ़ थाना क्षेत्र में हुए एक हादसे ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। हादसे में दूल्हे रजनीश आदिवासी की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक रजनीश की बारात रविवार को सोहागी के सो नौरी बहराइच जानी थी। बारात जाने के लिए सभी रिश्तेदार भी घर आए थे। तैयारी के दौरान वो अपने एक साथी के साथ सामान लेने बाइक से बाज़ार जा रहा था, तभी हाइवे पर एक तेज़ ज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सडक़ पर गिर पड़े और ट्रक के पहियों से कुचल गए। रजनीश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। घटना के बाद परिजन आक्रोशित हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। किसी तरह परिजनों को समझाइश देकर ट्रक को ,पुलिस थाने लेकर आई। वहीं क्षत-विक्षत अवस्था में पड़े युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया गया।




## कार्य पर उपस्थित न होने पर होगी अनुशासनात्मक कार्यवाही

### सात दिवस में कर्तव्य स्थल पर उपस्थित होने के निर्देश दिये

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने मुनेन्द्रनाथ त्रिपाठी पुत्र स्व. सुरेश कुमार त्रिपाठी को कार्य पर उपस्थित न होने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने की सूचना जारी की है। रजिस्ट्रार सिविल कोर्ट रीवा से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुनेन्द्रनाथ त्रिपाठी पुत्र स्व. सुरेश कुमार त्रिपाठी आयु लगभग 55 वर्ष नेहरू नगर रीवा निवासी जिला न्यायालय रीवा में सहायक ग्रेड-3 के पद पर नियोजित होकर व्यवहार न्यायालय सिरमौर में तलवाना लिपिक के पद पर पदस्थ हैं। त्रिपाठी 5 फरवरी 2025 से बिना किसी अवकाश आवेदन के निरंतर कर्तव्य से अनुपस्थित हैं। रजिस्ट्रार सिविल कोर्ट ने मुनेन्द्रनाथ त्रिपाठी को सात दिवस में कर्तव्य स्थल पर उपस्थित होने के निर्देश दिये हैं। कर्तव्य स्थल पर अनुपस्थित रहने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

## महिलाओं के कार्यस्थल पर आंतरिक समिति गठित करने के निर्देश

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** कार्यस्थल में महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न अन्तर्गत आंतरिक समिति गठित करने के निर्देश दिये गये हैं। समस्त कार्यालय प्रमुखों को अपने कार्यालय में तथा जिले के विभिन्न विभाग, संगठन, उपक्रम, संस्था (शासकीय/अशासकीय), प्राइवेट सेक्टर सोसायटी, दुकान, बैंक, सहकारी संस्थायें, शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थाए, उद्यम मनोरंजक संस्थाए, अस्पताल, स्टेडियम, खेलकूद संस्थान, निवास गृह आदि में जहां 10 या 10 से अधिक कर्मकार (कर्मचारी, अधिकारी) कार्यरत है आंतरिक समिति का गठन के निर्देश दिये गये हैं। समस्त कार्यस्थल का प्रत्येक नियोजक आंतरिक समिति के गठन करने एवं यदि कोई नियोजक उक्त अधिनियम की धारा के अन्तर्गत आंतरिक समिति का गठन करने में असफल रहता है तथा अधिनियम के नियमों का उल्लंघन करता है या उनके उल्लंघन को दुष्प्रेरित करता है तो वह पचास हजार रूपये तक के जुर्माने से दण्डनीय होगा।

## वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

**मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)।** मऊगंज जिले के नई गढ़ी में रविवार को सड़क हादसे में स्कूटी सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान देवरिहन निवासी कमलेश पटेल के रूप में हुई। कमलेश स्कूटी से भीर गांव की ओर जा रहे थे। इस दौरान भीर गैस एजेंसी के सामने एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने घायल कमलेश को रीवा के संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान देर रात उनकी मौत हो गई। प्रधान आरक्षक रामकुमार भास्कर के अनुसार मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस दुर्घटना में शामिल वाहन की पहचान के लिए जानकारी जुटा रही है।

बेटी के खिलाफ एसपी ऑफिस शिकायत लेकर पहुंची मां

# 50 हजार रुपए नकद और ज्वेलरी लेकर प्रेमी के साथ फरार

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** शहर के समान थाना क्षेत्र में एक युवती अपने प्रेमी के साथ घर से फरार हो गई। जाते समय वह 50 हजार रुपए नकद भी साथ ले गई। खास बात यह है कि इससे पहले 14 मई को इसी घर में 7 लाख के गहनों की चोरी हो चुकी थी। लड़की की मां ने प्रेमी और बेटी दोनों पर ही शक जताया है।

**3 साल से प्रेम संबंध:** मां दीपा साकेत ने बताया कि बेटी सुमन साकेत का एक युवक से 3 साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। परिवार वालों ने कई बार दोनों को समझाया, लेकिन वे मानने को तैयार नहीं थे।



**14 मई को हुई थी चोरी, अब बेटी भी लापता:** दीपा ने बताया कि 14 मई को घर में चोरी हुई थी। समान थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। चोरी में सोने-चांदी के करीब 7 लाख के जेवरात चले गए थे। उन्हें तभी से बेटी और उसके प्रेमी पर संदेह था। अब रविवार रात सुमन प्रेमी के साथ घर से भाग गई। जाते वक्त वह घर से 50 हजार रुपए नकद भी ले गई।

**एसपी कार्यालय पहुंची मां:** सोमवार को दीपा साकेत एडिशनल एसपी आरती सिंह से मिलीं। उन्होंने कहा, "मैं चाहती हूं कि वो दोनों जो करना चाहें करें, लेकिन मेरे जेवर और नकदी वापस करें।"

**शिकायत की जांच की जा रही:** समान थाना प्रभारी विकास कपीस ने बताया कि पहले अज्ञात में चोरी की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। अब नई शिकायत पर जांच की जा रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।